

भोपाल

13 जनवरी 2025

सोमवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

वेदों की परंपरा, सदियों का रिवाज आस्था की डुबकी @ प्रयागराज

प्रयागराज में आज तड़के महाकुंभ मेले का दिव्य और भव्य शुभारंभ हो गया। 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में इस बार 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होने का अनुमान है, पहले दिन से ही तीर्थ राज प्रयाग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। करीब 60 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई दिनभर में यह आंकड़ा एक करोड़ तक भी पहुंच सकता है। आज 12 किमी क्षेत्र में बने स्नान घाट श्रद्धालुओं से भरे हैं। सिर्फ संगम में हर घंटे 2 लाख लोग स्नान कर रहे हैं। आज से ही श्रद्धालु 45 दिन का कल्पवास भी शुरू करेंगे। महाकुंभ के चलते वाहनों की एंट्री बंद है। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंच रहे हैं। वैसे तो कुंभ में सभी दिन भक्तों की भारी भीड़ रहेगी लेकिन शाही स्नान वाले दिन ये भीड़ कई गुना ज्यादा तक बढ़ सकती है। मेला क्षेत्र की सुरक्षा के लिये 60 हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं।

राहुल ने रखी आधारशिला, मोदी ने किया उद्घाटन

श्रीनगर, एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गान्धरबल जिले में सोनमर्ग में 12 किमी लंबी टनल का उद्घाटन किया। खास बात यह है कि करीब चौदह वर्ष पहले यानि 2012 में राहुल गांधी ने इस सुरंग की आधारशिला रखी थी। सुरंग के खुलने से कश्मीर घाटी में कनेक्टिविटी को और बढ़ावा मिलेगा। यह सुरंग श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर स्थित है। सुरंग के खुलने से श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर सड़क का हिस्सा सभी मौसमों के लिए खुला रहेगा और सोनमर्ग क्षेत्र में सदियों के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

राहुल गांधी की दिल्ली चुनाव में आज एंट्री नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को पहले ही दिल्ली के चुनावी मैदान में उतारने के बाद अब आज राहुल गांधी की चुनाव प्रचार में एंट्री हो रही है। राहुल आज प्रचार अभियान में उत्तरेंग और उत्तर पूर्वी दिल्ली के सोलमपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी का आप से गठबंधन नहीं होने के बाद दिल्ली में लोगों की निगाहें कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर है। उधर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मालेना कालकाजी विधानसभा सीट के लिए आज नामांकन दाखिल करेंगी।

मेट्रो एंकर

इसलिए बड़ी चुनाव में महिला वोटर्स की संख्या!

नईदिल्ली, एजेंसी
हालिया लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या में जबरदस्त उछाल देखा गया। इससे राजनीतिक दलों ने भी अपनी रणनीतियां अगले चुनाव के लिये बदली हैं। इसके बाद विभिन्न विधानसभा चुनाव में भी महिला मतदाताओं की भागीदारी में बढ़ोतरी देखी गई है। अब चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी को लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साक्षरता दर में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी के चलते चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी में 25 प्रतिशत का उछाल आया है। एसबीआई की इस रिपोर्ट में देश में साक्षरता और महिला मतदाताओं की चुनाव में बढ़ी भागीदारी के बीच संबंध बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में 2019 की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या में 1.8 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। इनमें से 45 लाख मतदाता, साक्षरता दर बढ़ने की वजह से चुनावी प्रक्रिया में शामिल हुए हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि साक्षरता दर के अलावा और कौन-कौन से फैक्टर रहे, जिनकी वजह से महिलाओं की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, महिला मतदाताओं की चुनाव में बढ़ती



भागीदारी में महिलाओं के मकान पर मालिकाना हक को भी अहम आंका गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के चलते 2024 के आम चुनाव में करीब 20 लाख महिला मतदाताओं में बढ़ोतरी हुई। पीएम आवास योजना के तहत आवंटित किए गए 74 प्रतिशत आवासों का मालिकाना हक महिलाओं के पास है। इसका सीधा असर महिला सशक्तिकरण पर हुआ है और इसने महिलाओं को चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि शिक्षा, रोजगार और बुनियादी

इन फैक्टर्स की भी अहम भूमिका रिपोर्ट के अनुसार, रोजगार योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने भी अहम भूमिका निभाई और इनके चलते करीब 36 लाख महिला मतदाता, चुनावी प्रक्रिया में शामिल हुईं। स्वच्छता भी एक बड़ा फैक्टर रहा, जिससे प्रभावित होकर महिलाएं अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित हुईं। एसबीआई की रिपोर्ट में दावा है कि स्वच्छता अभियान और इसके असर के चलते करीब 21 लाख महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इनके अलावा साफ पीने का पानी, बिजली आदि ने भी महिला मतदाताओं पर सकारात्मक असर डाला है। हालांकि इनके चलते कितनी महिलाएं वोट करने के लिए प्रेरित हुईं, यह आंकड़ा बहुत बड़ा नहीं है।

जरूरतों पर फोकस करके महिला सशक्तिकरण को मजबूत किया जा सकता है और साथ ही उनकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाई जा सकती है। इन फैक्टर्स से न सिर्फ जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है बल्कि इससे लोकतंत्र को भी मजबूती मिलती है और देश के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य को भी आकार मिलता है।

शेयर बाजार में पहले ही दिन मचा कोहराम, सेंसेक्स 800 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी
इस कारोबारी हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज सेंसेक्स में करीब साढ़े आठ सौ अंकों की गिरावट देखने को मिली। निफ्टी में भी करीब 200 अंक की गिरावट है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल एक में तेजी जबकि बाकी 29 में गिरावट है। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से दो में तेजी और 48 में गिरावट है। बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.05 फीसदी की गिरावट रही थी। वहीं, कोरिया का कोस्पी आज 1.21 बल गिरावट के साथ करोबार कर रहा है। चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स में भी आज 0.45 फीसदी की गिरावट है। आज भी सेंसेक्स 834 अंक टूटकर 76,567 पर ओपन हुआ, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी खुलने के साथ ही 247 अंक



बिखर गया। प्री-ओपन मार्केट में ही दोनों के गिरावट के संकेत मिल रहे थे और बीएसई का इंडेक्स 750 अंक से ज्यादा टूट गया था। बाजार में गिरावट के बीच सबसे ज्यादा जोमैटो का शेयर टूटा, जबकि टाटा मोटर्स से लेकर एचडीएफसी के शेयर तक बिखरे नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को भी शेयर मार्केट गिरावट के साथ बंद हुआ था। रोलोब मार्केट में मिले-जुले रुख के बावजूद आईटी शेयरों में तेजी देखी गई थी, लेकिन ये तेजी भी गिरते बाजार को संभाल नहीं सकी थी।

छोटी खबरें

अमेरिका में बेकाबू आग, चपेट में आए टीवी एक्टर की मौत

लॉस एंजेलिस, एजेंसी
अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में लगी आग से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में एक ऑस्ट्रेलियाई टीवी एक्टर रोरी साइक्स भी शामिल हैं। पिछले 7 दिनों से लगी आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। ईटन और पैलिसेड्स में 16 लोगों के लापता होने की खबर है। हालांकि अब हवा की रफ्तार में थोड़ी कमी आई है इसके चलते फायरफाइटर्स को आग पर काबू करने में मदद मिल रही है। हालांकि देर रात तक तेज हवाओं के लौटने की चेतावनी जारी की गई है। इसके चलते लॉस एंजेलिस के दो जंगलों में लगी को तेजी से बुझाने की कोशिश हो रही है। आग का दायरा 40 हजार एकड़ जमीन तक है।

आधे मप्र में बादल व फुहारें, स्कूल में छुट्टी

भोपाल, दोपहर मेट्रो
मध्यप्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादल छा गए हैं। भोपाल में सुबह फुहारें गिरीं। उधर उमरिया में कड़ाके की ठंड के चलते कलेक्टर ने एक दिन के लिए कक्षा एक से कक्षा 8 तक सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। कल मकर संक्रांति के दिन भी मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में बादल और बूंदबांदी के आसार हैं। ऐसे में पारंपरिक तंगबाजी में दिक्कत हो सकती है। वहीं, 15 जनवरी को आधे एमपी में बादल और बूंदबांदी होने का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर भी इसमें शामिल हैं। इससे पहले सोमवार सुबह ग्वालियर-चंबल में कोहरा छाया रहा। इससे पहले 2 दिन से प्रदेश के कई जिलों में बारिश हो रही है। रविवार को बैतुल, दमोह, रीवा, सतना और उमरिया में बारिश हुई। दमोह में सबसे ज्यादा 7 मिमी पानी गिर गया।

रुपर में गिरावट, रेकार्ड लो-लेवल पर

नईदिल्ली, एजेंसी
भारतीय रुपये में लगातार जारी गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन रही है। आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 86.27 के स्तर पर आ गया, जो कि इंडियन करेंसी का लाइफ टाइम लो लेवल है। अगर हालिया गिरावट पर गौर करें, तो बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को यह 18 पैसे टूटकर 86.04 प्रति डॉलर के स्तर पर क्लोज हुआ था, जबकि इससे पिछले दिन भी ये फिसलकर डॉलर के मुकाबले 85.86 पर बंद हुआ था। किसी भी देश की करेंसी में गिरावट न केवल सरकार पर, बल्कि आम जनता पर भी विपरीत असर डालती है।



सूची जारी की गई तो नाराज खेमा भाजपा प्रदेश कार्यालय में भी एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन कर सकता है। यदि ऐसा होता तो और फजीहत होती। दिल्ली के हस्तक्षेप के बाद हुई है शुरुआत: बताया जाता है कि दिल्ली के हस्तक्षेप के बाद मप्र में भाजपा जिला अध्यक्षों की घोषणा की शुरुआत हुई है। जबकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ समेत अन्य कई राज्यों में भाजपा जिला अध्यक्षों की घोषणा पहले ही हो चुकी है। सूत्रों की मानें तो भोपाल में भी इस घोषणा के पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के बीच चर्चा हुई। सत्त व संगठन के कुछ प्रमुख लोगों के

पास दिल्ली से फोन भी पहुंचे। इसके बाद देर शाम उज्जैन से जिला अध्यक्षों की घोषणा की शुरुआत हो सकी। यहां संजय अग्रवाल को जिम्मेदारी मिली तो पूर्व सीएम शिवराज के विदिशा में महाराज सिंह दागी को अध्यक्ष बनाया। सीएम ने किया भूमिपूजन: मुख्यमंत्री यादव आज केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ दौरा पर हैं। वे उज्जैन में 614 करोड़ लागत की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के भूमिपूजन करेंगे तथा अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। वे बाद में रीवा के दौरा पर भी जाएंगे।



भोपाल, दोपहर मेट्रो। इतिहास, शौर्य और नारी शक्ति की प्रतीक रानी कमलापति के सम्मान में स्वागत रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने न केवल रानी कमलापति के गौरवशाली इतिहास को उजागर किया, बल्कि आदिवासी संस्कृति, साहस और नारी सशक्तिकरण के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाया। राजेश राय ने बताया कि शुभारंभ के मौके पर महापौर मालती राय ने कहा कि रैली में महिलाएं अधिक संख्या में एकत्रित कमलापति ब्रिज स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर रैली की शुरुआत हुई।



चित्रकला प्रतियोगिता

भोपाल, दोपहर मेट्रो। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर जय हिंद सेना ने किया चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।

अब डिजिलॉकर के जरिए भी उपलब्ध होंगे बिजली बिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अब उपभोक्ताओं को डिजि लॉकर के जरिए भी बिजली बिल उपलब्ध हो सकेगे। मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी ने भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम तथा चंबल संभाग के 16 जिलों में यह सुविधा उपलब्ध करा दी है। डिजि लॉकर डिजिटल इंडिया के तहत केंद्र का प्रमुख कार्यक्रम है। डिजि लॉकर उपभोक्ताओं को सार्वजनिक क्लॉउड पर सुरक्षित दस्तावेज एक्सेस प्लेटफार्म प्रदान करता है। ये डिजिटल दस्तावेज सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत कानूनी रूप से मान्य हैं। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2016 के नियम 9 ए के तहत डिजिटल लॉकर के माध्यम से उपलब्ध जारी किए गए दस्तावेजों को मूल फिजिकल दस्तावेजों के बराबर मान्य किया जाता है।

मोबाइल में रख सकते हैं डिजि लॉकर

अधिकारियों के मुताबिक डिजि लॉकर मध्यप्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं तक बिजली बिलों को पहुँचाकर उन्हें संग्रहित करने का एक सुरक्षित, सुविधाजनक और पेपरलेस तरीका है। उपभोक्ता इसे किसी भी एंड्राइड या आई फोन से डाउनलोड कर सकते हैं।



ये होते हैं लाभ

डिजि लॉकर के माध्यम से एक ओर जहाँ बिजली बिलों तक पहुंचना आसान होगा, वहीं कागजी बिल के स्थान पर उपभोक्ता अपने बिलों को यहां संग्रहित भी कर सकते हैं। डिजि लॉकर एक सुरक्षित तरीका है जो बिजली बिल जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज को नुकसान, क्षति, चोरी अथवा इसके खोने से बचाता है। डिजि लॉकर में संग्रहीत बिलों को आसानी से अन्य संस्थाओं जैसे, बैंक, वित्तीय संस्थान या सरकारी एजेंसियों के साथ साझा किया जा सकता है। कोई उपभोक्ता यदि अपना कागजी बिल खो देता है या उसे पिछले बिल को देखना जरूरी है, तो डिजि लॉकर द्वारा आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा ड्रिपलैकट बिल या नया बिल हासिल करना है तो उपभोक्ता अपनी सुविधानुसार सीधे डिजि लॉकर से अपने बिजली बिल को डाउनलोड कर सकते हैं।

आर्मी मैराथन 19 जनवरी को, बारह हजार लोग दौड़ेंगे 21 किलोमीटर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने 19 जनवरी को होने वाली आर्मी मैराथन के संबंध में निजी और शासकीय यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने स्टूडेंट्स और फेकल्टी से मैराथन में भागीदारी करने की अपील की। सभी ने भागीदारी की सहमति भी दी है। सारंग ने कहा कि स्वच्छ भारत, हरित भारत, फिट इंडिया के लिए भारतीय सेना के साथ दौड़िए। मैराथन अपने आदर्श वाक्य फिट इंडिया, रन विद इंडियन आर्मी के जरिए भारत सरकार के फिट इंडिया एकता और देशभक्ति अभियान को बढ़ावा देगा। मैराथन में 3 कैटेगरी रखी गई हैं। इसमें 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी के लिए न्यूनतम शुल्क पर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। प्रतिभागियों को टी-शर्ट और आर्मी मैराथन में भाग लेने का प्रमाण-पत्र

दिया भी दिया जाएगा। भाग लेने वाली संस्थाओं और यूनिवर्सिटीज को भी प्रमाण-पत्र और मोमेंटो दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मैराथन द्रोणाचल स्थित वॉर मेमोरियल से वीआईपी रोड होते हुए पुनः-द्रोणाचल पर समाप्त होगी। मंत्री सारंग ने सभी यूनिवर्सिटीज के पदाधिकारियों से अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से मैराथन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए भी कहा है। मैराथन सुबह 6 बजे से शुरू होगी। इसमें सभी क्षेत्रों से लगभग 12 हजार प्रतिभागी 3 श्रेणियों में भाग लेंगे। आकर्षक प्रयोजित पुरस्कारों के अलावा 10 लाख रुपए तक के नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। हाफ मैराथन में विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं के लिए 5,30,000 रु. के पुरस्कार, 10 किमी में विभिन्न श्रेणी के विजेताओं को 2,64,000 रुपए और 5 किमी में 1,87,000 रुपए के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।



चमकने लगी कोलार सिक्सलेन...

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार सिक्सलेन पर लेन डिवाइड करने वाली सफेद ढ़िट्टियों पर रिपलेक्टर लगाए गए हैं जो रात को वाहनों की लाइट पड़ने पर चमकते हैं। इसी के साथ सेंट्रल वर्ज पर भी रिपलेविटिंग पोल लगाए हैं जो चमकते हैं। ये काम अभी चूनाभट्टी क्षेत्र में हुआ है - फोटो देवेंद्र दुबे की फेसबुक वॉल से

मेट्रो एंकर

संत हिरदाराम नगर के विद्यालयों में मना युवा दिवस

स्वामी विवेकानंदजी की सीख को जीवन में उतारने का लिया संकल्प

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर रविवार को संत हिरदाराम नगर के विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने विवेकानंदजी को स्वरूप रख उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। संस्कार पब्लिक स्कूल 350 बच्चे विवेकानंद जयंती पर विवेकानंदजी के परिधान में आए। मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि विवेकानंदजी ने कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत की होगी और भारत विश्वगुरु बनेगा। भारत उसकी राह पर चल रहा है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि आज आप (बच्चे) स्वामी विवेकानंदजी की वेशभूषा में है, उनके आचरण को भी अपने जीवन में अपनाएं। सचिव बसंत चेलानी ने कहा महापुरुषों की जीवनियां हमें याद दिलाती हैं कि हम भी उनके पदचिह्नों पर चलकर जीवन को सार्थक कर सकते हैं। शिक्षाविद विष्णु गेहानी, समाजसेवी दीपक लालचन्दानी और घनश्याम थारानी ने भी अपने विचार रखे। **विवेकानंदजी को याद किया:** साधु वासवानी स्कूल में स्वामी विवेकानंद जयंती



युवा दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम में शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा आज मौका विवेकानंदजी को याद करने और सिंधी भाषा दिवस के लिए योगदान देने के संकल्प लेने का दिन है। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, सिंधी साहित्यकार मोहित शेवानी और समाजसेवी कन्हैयालाल रामनानी, शिक्षाविद बसंत चेलानी ने विवेकानंदजी के व्यक्तित्व को रेखांकित

किया। इस अवसर पर बच्चों ने सामूहिक सूर्य नमस्कार किया। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के स्वरूप में आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। **छात्राओं ने किया सूर्य नमस्कार:** संत हिरदाराम गुरुस कॉलेज में विवेकानंद जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस पर छात्राओं ने सामूहिक सूर्य नमस्कार किया। योग प्रशिक्षक ने छात्राओं को सूर्य नमस्कार के शारीरिक और मानसिक लाभों को बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने स्वामी विवेकानंद जी के प्रेरणादायक विचारों को अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

सेवासदन ने 254 ट्रक ड्राइवरों की निःशुल्क जांच की गई



हिरदाराम नगर. सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ने रविवार को लालघाटी चौराहे पर निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 254 ट्रक एवं भारी वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई। ड्राइवरों के बीपी और डायबिटीज की भी जांच की गई। शिविर में जांच कराने वाले 11 ड्राइवरों को मोतियाबिंद, 04 को टेरियिम रोग, 152 ड्राइवरों को दृष्टि दोष की शिकायत, 73 ड्राइवरों का असामान्य बीपी और 54 को डायबिटिक की शिकायत पायी गयी। इनमें से 35 कमजोर दृष्टि वाले ड्राइवरों को निःशुल्क चश्मे भी दिए गए। जबकि, नेत्र रोगों से पीड़ित 80 ड्राइवरों को ड्राईप्स दिए गए। आंखों की गंभीर बीमारियों से पीड़ित 30 ड्राइवरों को इलाज शुरू करने की सलाह दी गई। वहीं शिविर का शुभारंभ करते हुए डीसीपी टैफिक संजय सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा में 'परवाह' योजना में सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ने शिविर लगाया गया है। लोक सुरक्षा की दृष्टि से ड्राइवरों का सामयिक नेत्र परीक्षण आवश्यक है। ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी ने अस्पताल की सेवाओं और अंधत्व नियंत्रण की दिशा में किये जा रहे कार्यों का लेखा जोखा दिया। शिविर आयोजन में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की प्रशासक अनुशा तिवारी, वरिष्ठ ऑप्टोमेट्रिस्ट अजय सिंह, सागर गोड़से और निलेश वाघमरे का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान ए.सी.पी. विजय दुबे, सूबेदार मुनेन्द्र मिश्रा टी.आई. टैफिक रामफल गौर, अजय मार्का, ए.एस.आई बच्वालाल के अलावा शैलेन्द्र सिरोटिया, न्यूगो के सौरभ जैन, सेवा सदन के वरिष्ठ प्रबंधक कुशल धर्मानि, समाज सेवी डॉ. मुस्ली भगतानी, वार्ड पार्षद जगदीश यादव, गांधीनगर के झूलेलाल मार्केट अध्यक्ष खूबचंद भागचंदानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष अशोक प्रेमानी उपस्थित थे।

सिंधी एकता दिवस, समाज के लिए काम करेंगे

हिरदाराम नगर. पूज्य सिंधी पंचायत ने 37वां स्थापना दिवस सिंधी एकता दिवस के रूप में मनाया। एकता से वाजिब हक हासिल करने का संकल्प लिया। भगवान झूलेलालजी एवं बहिराणा साहिब की पूजा अर्चना भी की गई। झूलेलाल मंदिर, एच वार्ड में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत अध्यक्ष माधु चादवानी ने कहा कि वर्तमान में सिंधी समाज एकता के अभाव में राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से कमजोर होता जाता रहा है। सिंधी विस्थापितों को अभी तक पट्टे नहीं मिले हैं। इसके अलावा कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए आज हम सिंधी एकता के लिए संकल्प ले समाज के लिए कार्य करेंगे, समाज के लिए मरेगे। संत वासुराम दरबार के गद्दीशीन भाई साहिब परपोत्तम वासवानी, पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष दिनेश वाधवानी व पार्षद अशोक मारण, हरीरो हिन्दू व घनश्याम लालवानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर रमेश कुमार रौझवानी, संजय कल्लतारी व पुरुषोत्तम हरचंदानी ने भगवान झूलेलाल के भजन गाए।





नवजीवन की ओर मोक्षदायिनी क्षिप्रा



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹614 करोड़ लागत की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

अध्यक्षता

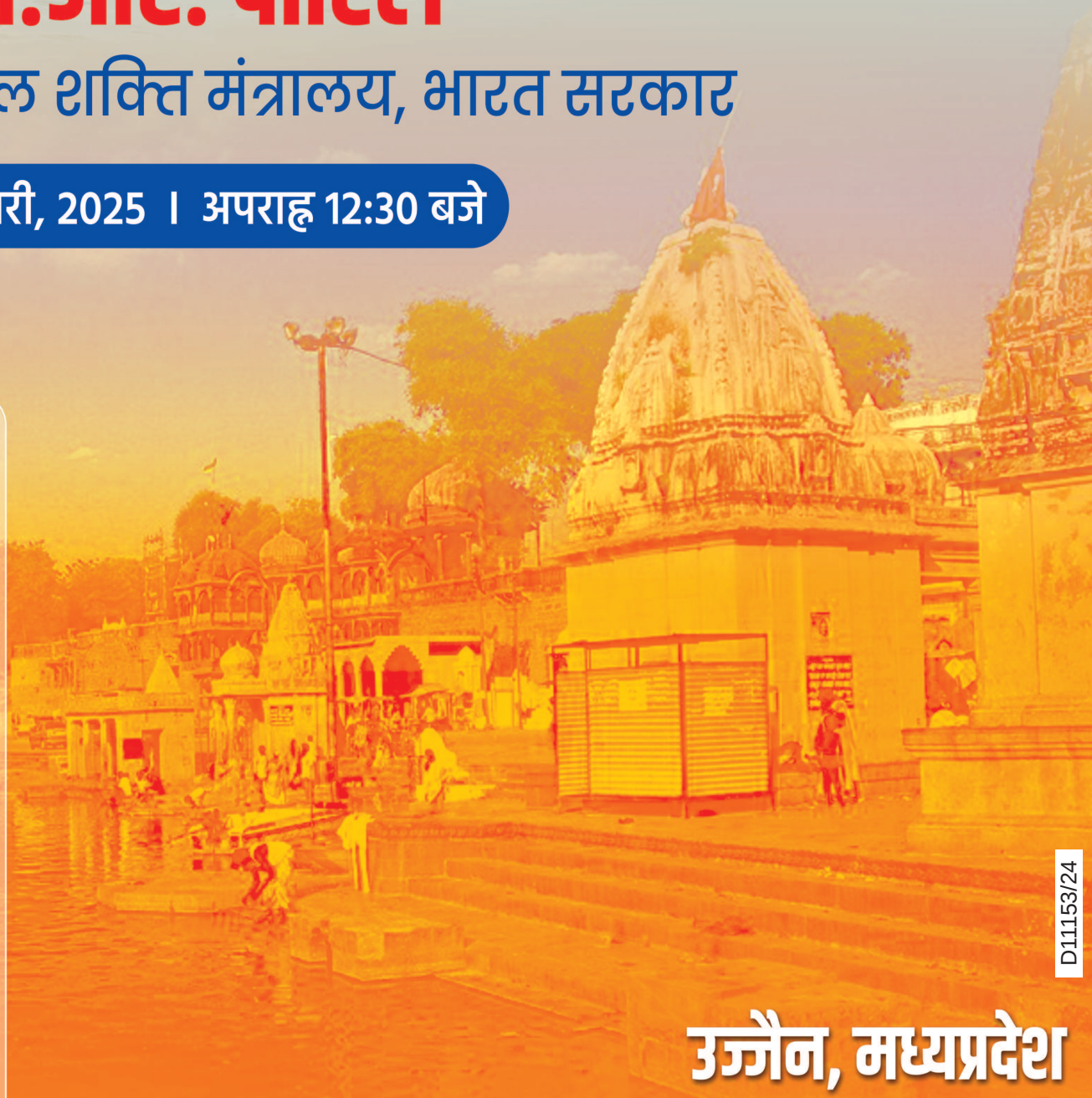
सी.आर. पाटिल

केन्द्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

13 जनवरी, 2025 | अपराह्न 12:30 बजे

जल संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए अनूठी पहल

- वर्षा ऋतु में क्षिप्रा नदी के जल को सिलारखेड़ी जलाशय में एकत्र कर पुनः आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में किया जाएगा प्रवाहित
- सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं को मिलेगा क्षिप्रा नदी में स्वच्छ एवं निरन्तर जल प्रवाह
- सिलारखेड़ी जलाशय की ऊंचाई बढ़ने से जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी
- परियोजना से उज्जैन शहर की आबादी को मिलेगी पेयजल सुविधा



उज्जैन, मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



jansamparkMP

संपादकीय

काम के नाम पर...

इन दिनों किसी कामकाजी व्यक्ति के काम के दिन और घंटों से जुड़ा विवाद फिर गरमाया हुआ है। यह कुछ महीने पहले भी चर्चा में आया था। मगर एक बार फिर तेज हो गया है तो इसलिये कि कुछ नये विचार इसके प्रति सामने आ गये हैं। पहले इनफोसिस के कोफाउंडर एन आर नारायणमूर्ति ने देश के नौजवानों को यह सलाह दी थी कि उन्हें सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। अब एलएंडटी के चेयरमैन एस.एन सुब्रमण्यम ने इस बात पर अपनी बेबसी जाहिर की है कि वह अपने कर्मचारियों से सप्ताह में 90 घंटे काम नहीं करवा पा रहे हैं। उनके मुताबिक कर्मचारियों को रविवार के दिन भी काम में जुटे रहना चाहिए। देखा जाए तो बिजनेस हेड और कंपनियों के सीईओ जैसे पदों पर काम कर रहे लोगों में यह सोच पहले से रही है कि कर्मचारियों को अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रेरित किया जाए। व्यक्तिगत स्तर पर इस तरह के प्रयासों में कोई बुराई नहीं है, जब तक कि संबंधित कर्मचारियों के सामने इसे स्वीकार करने या न करने की स्वतंत्रता बनी रहती है। दिक्कत तब खड़ी होती है जब वे अपनी इस सोच को पॉलिसी के रूप में दूसरों पर लादने का प्रयास करते हैं या इसे राष्ट्र निर्माण जैसे मकसद की आड़ दे देते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सचमुच किसी देश की या किसी कंपनी की भी उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि वहां लोग कितनी देर तक काम करते हैं। क्या काम की मात्रा ही सब कुछ है या काम की क्वालिटी पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है? जब बात क्वालिटी की हो तो क्या यह संभव है कि जिन कर्मचारियों के जीवन में क्वालिटी न हो, उनके काम में क्वालिटी बनी रहे? जीवन में क्वालिटी बनाए रखने के लिए ही वर्क-लाइफ बैलेंस को जरूरी माना गया है। यही वजह है कि हर्ष गोयनका जैसे बिजनेस लीडर्स भी इसकी अहमियत को रेखांकित कर रहे हैं और यही वजह है कि दीपिका पाडुकोण जैसी सेलिब्रिटी भी इस बहस के संदर्भ में मेंटल हेल्थ का मुद्दा उठा रही हैं। इसी बीच कैपिटल माइंड के दीपक शैनाय ने यह कहकर बहस को नयी मोड़ दी है कि यदि सप्ताह में 90 घंटे काम करेंगे तो फिर बाकी कामों के लिये वक्त कहाँ बचेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि वे खुद सप्ताह में 100 घंटे से ज्यादा काम करते हैं लेकिन असल काम दिन में चार पांच घंटे में ही पूरा हो जाता है। हर बार बात-बात में राष्ट्र का सवाल उठाने वाले बिजनेस प्रमुखों को समझना ही चाहिए कि राष्ट्र के विकास के लिए सिर झुकाकर खटते रहने वाले युवाओं से ज्यादा अहमियत स्वतंत्र चेतना वाले युवाओं की है। ऐसे युवाओं की जो वर्कलेस पर एम्प्लॉयी के रूप में अपना बेस्ट देने के बाद मनुष्य के रूप में अपने विकास पर ध्यान देते हों और परिवार, आस पड़ोस तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी अच्छे से निर्वाह करते हों। यदि हम काम के नाम पर कर्मचारी को मशीन की तरह देखेंगे तो जीवन के कई मोर्चें पर वह कमजोर भी साबित हो सकता है। किसी भी राष्ट्र की मजबूती के लिये सिर्फ उत्पादकता के साथ कई क्षेत्रों की गुणवत्ता भी मायने रखती है, इसलिये कुछ बड़े बिजनेस प्रमुख यदि इस तरह के विचार थोपने का प्रयास करते हैं तो यह बहुत स्वागतयोग्य तो कदापि नहीं है। कई देश काम के घंटे कम करके और वीकएंड को लंबा करके भी खुश हैं तरक्की की राह पर हैं और उनके नागरिक भी तबक्की कर रहे हैं।

सीएम हाउस बने, आधुनिक

‘राजा निवास’

■ सरयूसुत मिश्र

दिल्ली चुनाव में बीजेपी और आम आदमी पार्टी ‘शीश महल’ और ‘राजमहल’ के आरोपों में उलझी है. सीएम निवासऔर पीएम निवास को शीश महल और राजमहल कहना ही लोकतंत्र की भावनाओं के विरुद्ध है. महल राजाओं के होते हैं. लोक सेवकों के तो निवास होते हैं. यह भी जनता के लिए प्रेरित किया जाए। अरविंद केजरीवाल के शीश महल को खोल, पब्लिक को दिखाने की मांग हो रही है. जब केजरीवाल इसमें रहते थे, तभी अगर इसे जनता के लिए खोल दिया गया होता तो ना फिर आज आंदोलन की जरूरत पड़ती और ना ही यह चुनावी मुद्दा ही बनता। मापदंड बनाने और फिर उन्हीं को तोड़ने पर सवाल उठते हैं. केजरीवाल का शीश महल इसीलिए भ्रष्टाचार के स्मारक के रूप में प्रसिद्ध हो रहा है, क्योंकि उन्होंने कइए ईमानदारी और सादगी भरे राजनीतिक जीवन का मापदंड स्वयं निरधारित किया था।

दिल्ली के सीएम हाउस को शीश महल, बीजेपी और कांग्रेस दोनों बता रही हैं. सीएम हाउस में विलासिता पूर्ण कार्यों और उन में भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस ने ही उठाया था. अब बीजेपी इसे आप के भ्रष्टाचार के स्मारक के रूप में चुनाव में पेश कर रही है. दोनों राष्ट्रीय दल संसदीय व्यवस्था के सिरमौर हैं. बीजेपी की अधिक राज्यों में तो कांग्रेस की भी तीन राज्यों में सरकारें चल रही हैं. दोनों दलों के राज्यों में मुख्यमंत्री हैं. राज्यों के सीएम निवास, लज्जरी निवास बने हुए हैं. हर साल सीएम बंगला पर बेतहाशा जनधन खर्च किया जाता है।

सरकारी बंगलो को सरकारी संपत्ति तो महसूस ही नहीं किया जाता. इसे अपनी परमानेंट संपत्ति मानते हुए ही जनता का धन खर्च कर विलासिता पूर्ण काम कराए जाते हैं. ऐसा नहीं है कि, एक मुख्यमंत्री ने कर लिया तो वह दूसरे मुख्यमंत्री द्वारा भी उपयोग कर लिया जाएगा? मुख्यमंत्री के बदलते ही फिर नए सिरे से कार्य होता है. मध्य प्रदेश में तो घोषित सीएम निवास के अलावा एनेक्सी भी सीएम के ही कब्जे में रहती है. यह प्रवृत्ति हर दल के नेता में समान रूप से देखी जाती है.



मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज सिंह चौहान ने सीएम हाउस के अलावा एनेक्सी पर भी काबिज थे. सीएम रहते उन्होंने एनेक्सी से सटा सरकारी बंगला भी दूसरे स्वरूप में अपने कब्जे में ले लिया. अब दोनों बंगले एक ही मालिक के दिखाई पड़ते हैं. उनमें अंतर करना नामुमकिन है।

कमलनाथ जब मुख्यमंत्री बने, तब वह भी सीएम हाउस के अलावा अपने पुराने बंगले को एनेक्सी के रूप में उपयोग करते रहे. बाबूलाल गौर ने भी वही किया था. वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इसी लाइन पर चल रहे हैं. सीएम हाउस तो उनके पास है ही, उनका पुराना बंगला विंध्य कोठी भी सीएम एनेक्सी के रूप में काम कर रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उज्जैन में भी एक सीएम हाउस बनाया गया है. इंदौर के प्रभारी मंत्री के रूप में सीएम के ठहरने के लिए इंदौर में अगर व्यवस्था बनाई जाएगी तो फिर वह भी एनेक्सी ही कहलाएगी। मध्य प्रदेश के केंद्रीय मंत्री भी राजधानी में बंगला हासिल कर लेते हैं. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पास भी भोपाल में सरकारी बंगला है. वहीं केंद्रीय मंत्री राज्य की राजधानी में सरकारी बंगला हासिल करने में असफल होते हैं, जो सत्ता साकेत में समीकरण के कारण मंत्री तो बन जाते हैं, लेकिन उनकी सियासी ताकत बहुत प्रभावी नहीं होती।

केंद्रीय मंत्रियों को राष्ट्रीय राजधानी में भी सरकारी बंगला उपलब्ध होता है. केंद्रीय

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पास बंगला होगा और भोपाल में भी है. केंद्रीय मंत्रियों को राज्य की राजधानियों में सरकारी बंगलो की उपलब्धता का औचित्य जनसेवा की दृष्टि से तो साबित नहीं होता अगर आवश्यक है, तो संसदीय क्षेत्रों में आवास व्यवस्था पर विचार संभव है. सरकारी बंगलो की बंदर बांट तो राजनीतिक गणित साधने का साधन बन गया है. केंद्रीय मंत्रियों के अलावा राज्य की राजधानी में सांसदों को भी सरकारी बंगले उपलब्ध कराने की वृत्ति, संसदीय व्यवस्था के दुरुपयोग की श्रेणी में आएगी. सांसदों को दिल्ली में तो आवास उपलब्ध कराया जाता है. मध्य प्रदेश में बीजेपी का अध्यक्ष बनने के बाद वी.डी. शर्मा को सरकारी बंगला उपलब्ध कराया गया है, इसे सुसज्जित भी कराया गया है।

हाई कोर्ट की आपत्ति के बाद पूर्व मुख्यमंत्री को सरकारी बंगला उपलब्ध कराने की एमपी सरकार की नीति पर सवाल खड़े हुए थे. शिवराज सरकार के समय न्यायालय के निर्देश पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को आवंटित बंगले का आवंटन निरस्त कर दिया गया था. कमलनाथ की सरकार आते ही फिर से वही बंगला आवंटित कर दिया गया. उसके बाद तो बंगले में साज सज्जा और रिकार्ड निर्माण कर शायद सत्ता में ताकत के अहंकार की पुष्टि की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री को सरकारी बंगला देने का औचित्य सरकार कैसे साबित करेगी?

एक लोक सेवक जो जनधन से वेतन ग्रहण करता है, वह सेवानिवृत्त होने के बाद जनधन से सुविधा बंगला कैसे हासिल कर सकता है. वह भी तब जब उसे पेंशन भी मिलती है. ऐसा लगता है कि, शीश महल और राजमहल का विवाद जनता को भ्रमित करने के लिए ही पैदा किए जाते हैं. सियासत की मानसिकता ‘राज और महल’ पर ही टिकी होती है. मौका मिलने के बाद हर नेता शीश महल और राजमहल बनाने की सोच पर ही आगे बढ़ता है.नरेंद्र मोदी जैसे बिरले नेता होंगे जो यह सीना ठेंक कर कहते हैंकि, हमने जीवन में अपने लिए एक मकान नहीं बनाया और लोग सरकारी धन से शीश महल बना लेते हैं.

राजशाही रही नहीं लेकिन उसके बीज, लोकशाही में बिखरे हुए दिखाई पड़ते हैं. राज्यों के सीएम आधुनिक राजा स्वीकार किए जाते हैं. जब आज राजशाही परिवार अपनी विरासत राजमहलों को लज्जरी होटल रिसोर्ट में बदल रहे हैं तो आधुनिक राजा सीएम निवास को लज्जरियस बनाने में कर्तव्य निष्ठ हैं. जनधन को प्रोटेक्ट करना जिनकी जिम्मेदारी है वही लज्जरी के लिए अपव्यय करते हैं. मितव्ययिता का विचार र तो शायद सरकारी व्यवस्था से मित गया है. कर्ज लेकर घी पीने की ‘चारवाक संस्कृति’ सरकारों का स्वभाव बन गया है. सरकारी बंगले का दुरुपयोग राजनीतिक बंदरबाँट का हिस्सा है. स्वयं की लज्जरी के लिए जनधन के दुरुपयोग को तो अब बेईमानी भी नहीं कहा जाता, इसे तो ईमानदारी ही स्वीकार कर लिया गया है।

किसी एक को शीश महल और राजमहल के लिए जिम्मेदार बताने से काम नहीं बनेगा. लोकशाही से उस मानसिकता को हटाना पड़ेगा जो राजशाही के प्रतीक शीश महल और राज महल बनाने की प्रेरणा देती है. यह तभी होगा जब नेता या व्यक्ति के भीतर की ज्योति जलेगी. राजनीतिक वाद विवाद से इसका समाधान होने के बदले, वक्त के साथ यह बढ़ता ही जाएगा. हर सीएम हाउस में शीशे की वाल है फिर भी दूसरों पर पत्थर फेंकने से कोई पीछे नहीं रहता।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

भारत के उत्थान की प्रेरणा है राष्ट्र मंदिर

■ हितानंद शर्मा

अद्भुत, अकल्पनीय और अविस्मरणीय वह अभिजीत मुहूर्त, जब प्राण-प्रतिष्ठा कर रामलला के नेत्रों से पट्टिका हटाई गई तब पूरे विश्व में सनातन संस्कृति के उपासकों के नेत्रों में श्रद्धा, आस्था, आनंद और प्रतीक्षा के आँसू थे। पौष शुक्ल द्वादशी, 22 जनवरी 2024 केवल अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव का दिवस नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज की दृष्टि और विचारों के परिवर्तन की उपलब्धि का दिन है। पीढ़ियों की तपस्या, त्याग, बलिदान और प्रतीक्षा के बाद अयोध्या ने इस शुभ घड़ी का स्वागत किया था।

भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से आनंदित, उत्साहित यह वही अयोध्या है जिसके परिचय में अथर्व वेद में उल्लेख आता है कि -

अष्ट चक्रा नव द्वारा देवाना पूः अयोध्या।

तस्या हिरण्यमयः कोश स्वर्गो ज्योतिषावतः ।।

अयोध्या, जिसका अर्थ ही है जो अजेय, अपराजित है। सहस्रों वर्षों तक अयोध्या अपने स्वर्णिम इतिहास के लिए जानी जाती रही। वही अयोध्या जहाँ हिन्दू समाज के आराध्य श्रीराम जी का जन्म सकल लोक के मंगल हेतु हुआ। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास जी अयोध्या का वर्णन कुछ इस प्रकार करते हैं-

विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार।

निज इच्छा निर्मित प्रभु माया गुन गो पार।।

हिन्दू समाज की आस्था के केंद्र, समरसता, नैतिकता व कर्तव्यपालन का बोध कराने वाले श्रीराममंदिर का कालांतर में विध्वंस कर मुगल आक्रांताओं द्वारा गुलामी के प्रतीक के रूप में बाबरी मस्जिद बना दी गई। इसके बाद 1528 से ही आरंभ हुए श्रीराममंदिर आंदोलन का 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय पर विराम हुआ। 5 अगस्त 2020 को भूमिपूजन के साथ करोड़ों लोगों ने अपनी भावनाओं ने विविध प्रकार से अभिव्यक्तित की।

यह एक ऐसा आंदोलन रहा जिसमें साधु-संतों ने युद्ध भी किया और वे आध्यात्मिक जागरण के केंद्र भी बने। बैरागी अभिराम दास (योद्धा साधु), राममंदिर आंदोलन के शलाका पुरुष महंत रामचन्द्र परमहंस, महंत अवैद्यानाथ व



देवरहा बाबा ने संपूर्ण आंदोलन को एक दिशा प्रदान की। कोठारी बन्धुओं के बलिदान को हिन्दू समाज भला कैसे विस्मृत कर सकता है? विष्णु डालमिया, अशोक सिंहल व तेजपुंज हैं, जिन्होंने सनातन ऊर्जा को संग्रहीत कर इस पवित्र कार्य से जोड़ा।

मंदिर आंदोलन के मूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका से सभी भलीभांति परिचित ही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने पूरे आंदोलन में जनजागरण करते हुए आस्था के उच्चतम प्रतिमानों को विश्वव्यापी स्वरूप दिया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित विचार परिवार के सभी संगठनों ने अपनी पूर्ण सामर्थ्य के साथ तत्कालीन सरसंचालक बालासाहब देवरस की मंशा के अनुरूप धैर्यपूर्वक योजनाबद्ध आंदोलन किए। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में देशव्यापी रथयात्रा ने पूरे भारत में वातावरण का निर्माण किया तो अरुंधत काकरसेवकों के बलिदान ने राम राष्ट्र के इस यज्ञ में समिधा का कार्य किया।मंदिर आंदोलन के इतिहास में अनेक बलिदानियों के रक्त व उनके परिजनों के त्याग का बिंदु समाहित है। राममंदिर के प्रति समाज की आस्था इतनी प्रबल रही है कि जब श्रमदान आवश्यक था तब श्रमदान किया। वहीं राष्ट्रमंदिर को भव्यता और दिव्यता देने के लिए निधि समर्पण अभियान में जाति, वर्ग, दल, समूह के सभी बंधनों को ध्वस्त करते हुए जिससे जो बन पड़ा उसने भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पण किया।

भारतीय पंचांग के अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी को आज ही के दिन जो पिछले वर्ष 22 जनवरी 2024 को थी, भगवान के

विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। संपूर्ण भारत की आस्था के केंद्र श्रीराम मन्दिर के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना को बल मिला और देशवासियों में स्वाभिमान का जागरण हुआ। वहीं जो लोग मन्दिर निर्माण का विरोध कर रहे थे उनके सारे अवरोधों का प्रति उत्तर भी इस एक वर्ष में मिला। प्राण-प्रतिष्ठा से आज प्रथम वर्षगांठ तक असंख्य दर्शनार्थियों ने न केवल रामलला के दर्शन किए बल्कि अयोध्या सहित आस-पास के क्षेत्र के अनुरूप धर्म के मजबूत करने में महत्व पूर्ण भूमिका निभाई है।नागर शैली में निर्मित अलौकिक सुंदरता से परिपूर्ण श्रीराम मंदिर की लंबाई पूर्व से पश्चिम 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट व ऊंचाई 161 फीट है। भव्य तीन मंजिला मंदिर में 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। भूतल में प्रभु श्रीराम का मोहक बाल रूप तो प्रथम तल में श्रीराम दरबार का गर्भगृह है। नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना व कीर्तन मंडप है। उत्तरी भुजा में मां अन्नपूर्णा व दक्षिणी भुजा में हनुमान जी विराजित हैं। मंदिर के समीप ही पौराणिक काल का सीताकूप रहेगा। 732 मीटर लंबे व 14 मीटर चौड़े चहुंमुखी आयताकार परकोटे के चार कोनों पर भगवान सूर्य, मां भगवती, गणपति व भगवान शिव का मंदिर बनेगा। मंदिर परिसर में ही महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, अग्रस्य, निषादराज, माता शबरी व देवी अहिल्या के मंदिर प्रस्तावित हैं।

यह मात्र एक मंदिर नहीं बल्कि भारत की संस्कृति और अस्मिता का प्रतीक है। एक स्वाभिमानी राष्ट्र अपने ऐसे ही प्रतीकों से ऊर्जा प्राप्त करता है। राम मंदिर भारत की चेतना का पर्याय है और इसका भी कि राम जन-जन की स्मृति में कितने गहरे रचे-बसे

हैं। यह आधुनिक विश्वऔ के इतिहास में पहली बार है, जब किसी समाज ने अपने प्रेरणा पुरुष के जन्मस्थान एवं उनके उपासना स्थल को अतिक्रमण और अवैध कब्जे से न्यायपूर्वक छुड़ाने में सफलता प्राप्त की।

प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव में उमड़ा भावनाओं का ज्वार ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर दे रहा था कि राम मंदिर का निर्माण क्यों आवश्यक था और हिंदू समाज उसके लिए इतनी व्यग्रता से क्यों प्रतीक्षा कर रहा था? अच्छा होता कि यह प्रतीक्षा स्वतंत्रता के बाद ही पूरी हो जाती, किंतु संकीर्ण राजनीतिक कारणों और कथित सेक्युलरिज्म की विजातीय-विकृत अवधारणा के चलते ऐसा नहीं हो सका। यह विडंबना ही रही कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की हिंदू समाज की सदियों पुरानी स्वाभाविक अभिलाषा की अनदेखी की गई।

जिस अयोध्या को अवनी की अमरावती और धरती का बैकुंठ कहा गया, वह सदियों तक अभिशप्त थी, उपेक्षित रही, अनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पद दलित होती रही, किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाए रखा। समय के साथ समाज का संकल्प भी दृढ़ होता गया और आज समस्त सृष्टि अयोध्या के वैभव को निहार रही है। यह धर्म नगरी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है।

संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की इस समाप्ति के लिए और संकल्प की पूर्णता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का भी अभिनंदन है। एक दूरदर्शित लेकर भारत के न भूतो न भविष्यलति के स्वर्णिम अवसर को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्री राम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। अब भारत को भव्य बनाने के संकल्प को पूर्ण करने की बारी है और भगवान श्रीराम का मंदिर इसकी प्रबल प्रेरणा है। ऐसा होना निश्चित ही है क्योंकि इस प्राण प्रतिष्ठा से समस्त दिशाओं से शुभ संकेत मिलना आरंभ हो ही चुका है। गोस्वामी तुलसीदास जी की इन पंक्तियों के साथ- ‘‘मोरे जिय भरोस दृढ़ सोई, मिलिह राम सगुन सुभ होई.’’ शुभमस्तु।

(: लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।)

दरिद्रता प्रकट करना

दरिद्र होने से अधिक

दुखदाई होता है।

- प्रेमचन्द

आज का इतिहास	
■ 2020 - लाहौर हाई कोर्ट ने उस विशेष अदालत को ‘असंवैधानिक’ करार दिया, जिसने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को संपीन देशद्रोह का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी।	■ 2020 - लाहौर हाई कोर्ट ने उस विशेष राष्ट्र का 37वाँ अधिवेशन न्यूयार्क में शुरू।
■ 2010 - अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट के कारण जर्मनी की अर्थव्यवस्था में साल 2009 के दौरान 5व की गिरावट दर्ज की गई। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यह सबसे बड़ी गिरावट है।	■ 2006 - परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर सैन्य आक्रमण से ब्रिटेन ने इनकार किया।
■ 2009 - जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फ़ारुख़ अब्दुल्ला नेशनल काँग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए।	■ 2002 - पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के संदेश को भारत ने सकारात्मक बताया, चीनी प्रधानमंत्री झू रेंगजी 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे।
■ 2008 - चाय निर्माण कंपीन मारवल चाय को संयुक्त अरब अमीरात से एक लाख किलोग्राम चाय के निर्माण का आर्डर मिला।	■ 1999 - नूर सुल्तान नजरवायेव पुनः कजाकिस्तान के राष्ट्रपति चुने गए।
■ 2008 - मैसिडोनिया में सैन्य विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 11 लोग मरे।	■ 1995 - बेलारूस नाटो का 24वाँ सदस्य देश बना।
■ 2007 - महिलाओं के प्रति	■ 1993 - अमेरिका और उसके सहयोगियों ने दक्षिणी इराक़ में नो फ़्लाई ज़ोन लागू करने के लिए इराक़ पर हवाई हमले किए।

निशाना

आ गई वो बेला !

-कृष्णोन्द्र राय

हैं सारे सतर्क ।
भर रहे ललकार ।।
देखते हैं कितना ।।
हो पाता उद्गार ।।
आ गई वो बेला ।
हुआ जिसका इंतज़ार ।।
मन ही मन पहनने को ।
हैं आतुर अब हार ।।
भले हो जग हंसाई ।
चलते हर पल चाल ।।
हैं लगाते तैयार ।
करने को बवाल ।।
पर फैसला जनता का ।
क्यों नहीं स्वीकार ।।
पर लगता है जल्द ही ।
होंगे सब फरार ।।

विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य संस्थाओं में हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार

छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, सांसद-विधायक

जनप्रतिनिधियों ने किया योग अभ्यास

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती 12 जनवरी के अवसर पर युवा दिवस कार्यक्रम के तहत सामूहिक सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य कार्यक्रम नर्मदा महाविद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं, महाविद्यालय छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से योग अभ्यास किया। जिला मुख्यालय सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य संस्थाओं में भी सामूहिक सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नर्मदा महाविद्यालय में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम में योग आचार्यों ने सूर्य नमस्कार के तीन चक्र का अभ्यास कराया। सूर्य नमस्कार के तहत पर्वता आसान, अश्व संचालन आसन, पदमा आसान, अष्टांग नमस्कार भुजंगासन, सुखासन, ब्रजा आसन का अभ्यास कराया। साथ ही अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। इस अभ्यास को करने से स्वास्थ्य का संचालन बेहतर होता है। शरीर अंदर से स्वच्छ एवं निर्मल होता है। अंतिम आसान भ्रामणी प्राणायाम का अभ्यास भी सभी को कराया गया। राष्ट्रगान के बाद योग अभ्यास का कार्यक्रम समाप्त किया गया।



सरस्वती शिशु मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

इटारसी। युवा दिवस विवेकानंद जयंती पर सरस्वती शिशु मंदिर पुरानी इटारसी का वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विमल लवानिया पूर्व प्राचार्य पथरोटा स्कूल, राम कुमार व्यास विभाग समन्वयक नर्मदा पुरम, विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिषेक तिवारी उपाध्यक्ष सरस्वती शिक्षा समिति, कोषाध्यक्ष विक्रम सोनी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर पंकज मनी पहाड़िया ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उसके बाद भैया बहनों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से दर्शकों का मनमोह लिया। अतिथियों का परिचय रितेश पटेल ने कराया एवं स्वागत गुलाबचंद द्विवेदी एवं कन्या भारती व बाल भारती के भैया बहनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती अंजू चौबे दीदी एवं बहन राजनंदनी साहू एवं हर्षिता चरे ने किया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन संस्था प्राचार्य नर्मदा प्रसाद मालवीय ने माना।



सामूहिक सूर्य नमस्कार के दौरान भोपाल से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के उद्बोधन को लाइव सुना गया। कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे.

सूर्य नमस्कार के अवसर पर मप्र तराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस एस रावत, सिटी मजिस्ट्रेट बुजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर डॉक्टर बबिता राठौर, तहसीलदार देव शंकर धुर्वे, सहित जिले के प्रमुख अधिकारियों उपस्थित रहकर सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम में भाग लिया।

स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी व योगासन का प्रदर्शन किया

नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर योग विभाग की छात्राओं ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित पोस्टर का निर्माण कर प्रदर्शनी एवं योग का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । इस अवसर पर जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती संध्या थापक, विधायक प्रतिनिधि श्रीमती नैना सोनी, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में भी वर्तमान में भी विवेकानंद जी के विचार युवाओं में नई ऊर्जा और वेतना का संरक्षण करने का कार्य करती हैं। जब युवा शक्ति को एकत्रित एवं संगठित करना होता है तो हम निश्चित तौर पर हमारे प्रेरणा स्तंभ विवेकानंद जी के कथनों का सहारा लेते हैं। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्राची चौहान, द्वितीय ऋषिका गौर एवं तृतीय स्थान पर शिवानी चोरे एवं कुमकुम गौर रही। योग दिवस के कार्यक्रम की श्रृंखला में 11 जनवरी को स्वामी विवेकानंद युवाओं के शाष्वत प्रेरणा विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राखी यादव, द्वितीय खुशी पटेल एवं तृतीय स्थान पर निकिता यादव रही। निर्णायक के रूप में डॉ. यशवंत निगवाल, प्रेमकांत कटंगकार, डॉ. मनीषा तिवारी ने अपनी उपस्थिति प्रदान की स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकाश की प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित की । योग विभाग की प्रभारी डॉ. संध्या राय ने सभी का आभार व्यक्त किया। युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती किरण विश्वकर्मा, रघुवीर सिंह राजपुत ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए योगाभ्यास कराया। इस अवसर पर डॉ.श्रुति गोखले, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. मधु विजय ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। योग दिवस पर आधारित कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।



माखन नगर स्कूल में विवेकानंद जयंती पर आयोजित हुआ सूर्य नमस्कार प्रोग्राम

नर्मदापुरम. शासकीय सीएम राइज विद्यालय माखन नगर में स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस पर सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शाला स्टाफ, अतिथि एवं बच्चों द्वारा सूर्य नमस्कार में भाग लिया । माखन नगर विकासखंड के संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले बच्चों को किट प्रदान की गई। कार्यक्रम के पश्चात बच्चों को पोष्टिक आहार वितरित किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी,



लायंस क्लब अध्यक्ष संजय वर्मा, समाजसेवी दीपक वर्मा, अंकित रावत, अभिषेक मिश्रा,

उल्लास पाटनी विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुषमा पीपरे, प्राचार्य के के दुबे, सुनील शर्मा, ब्रजेश यादव, सपना गौर, चंद्रशेखर गाढ़े, मदन तिवारी, एच एल कटार,अमित यादव, नैना शर्मा, अलका झारे, विभा नामदेव, नेहा दीवान, सारिका दीवान, उर्षला बल्लाल, नफीसा, रविशंकर यादव, वैभव सन्तोरे, अश्वनी राजपुत, सुषमा अहिरवार, रामकृष्ण यादव, सुजल शर्मा, पीयूष, पवन यादव, सपना दीक्षित, जया मालवीय कार्यक्रम में उपस्थित थे।

पटवारी से प्राप्त शिकायत पर जिला खनिज अधिकारी ने की कार्रवाई

रेत का अवैध उत्खनन परिवहन करने वाले ट्रैक्टर ट्राली जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध उत्खनन के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम ने बताया है कि हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, ग्राम बरूआढाना में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का हो रहा था। जानकारी के अनुसार, हल्का पटवारी सियाराम आत्मज हल्के सिंह द्वारा शिकायतकर्ता के आवेदन की जांच करने के लिए मौके पर पहुंचे थे, जब उन्होंने देखा कि ग्राम बरूआढाना की भूमि (खसरा नम्बर 176, 177) पर अवैध रूप से रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था।



मौके पर नीले रंग का ट्रैक्टर और ट्राली अवैध रेत का परिवहन कर रहे थे, जिसमें लगभग 10 तगाड़ी रेत भरी जा चुकी थी। ट्रैक्टर का चालक कृष्णा पिता नर्मदाप्रसाद

ने बताया कि यह ट्रैक्टर सोरभ पिता लखन रघुवशी, निवासी बम्होरीकला का है, जबकि ट्रैक्टर में कोई नंबर प्लेट नहीं लगी थी। ट्रैक्टर के साथ अमन पिता हीरालाल अहिरवार और कृष्णाकांत आत्मज नर्मदाप्रसाद मालवीय भी थे, जो फाबड़ा और तसले से रेत को ट्राली में भर रहे थे। चालक और उनके सहयोगियों द्वारा बताया गया कि उनके पास इस रेत उत्खनन और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं है। इस मामले की जानकारी की जानकारी खनिज अधिकारी को दी गई और मौके से ट्रैक्टर-ट्राली को शोभापुर पुलिस चौकी में सुपुर्द कर दिया गया है।

पिपरिया पुलिस की अबैध शराब को लेकर कार्रवाई

महुआ लहान एवं कच्ची शराब जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निदेशन मे एव अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिपरिया मोहित कुमार यादव के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी स्टेशन रोड पिपरिया विजय सनस की टीम द्वारा रविवार सुबह 07 बजे कुचबौंदिया मोहल्ला अम्बेडकर वार्ड इतवारा बाजार में अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही की गयी।



वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश के पालन मे विशेष अभियान के अंतर्गत अवैध शराब बिक्री व निर्माण एवं परिवहन पर रोक लगाने हेतु विशेष कार्यवाही की गई। जिसमें भारी मात्रा में महुआ लहान एवं कच्ची शराब को जप्त किया गया है। जिसमें करीबन 400 लीटर महुआ लाहान जिसकी कीमती लगभग 40,000 हजार रुपये को नष्ट किया गया व 30 लीटर कच्ची शराब कीमती लगभग 3000 हजार रुपए कुल जप्त मशरुका की कीमत 43,000 रुपये जप्त की गई है। उक्त पकड़े गए महुआ लाहान को मौके पर नष्ट किया गया है। वहीं पकड़ी गई

कच्ची शराब को भी जप्त कर उक्त आरोपीगण के विरुद्ध आबकारी एक्ट के अंतर्गत 06 प्रकरण दर्ज किये गए । उक्त कार्यवाही में थाना स्टेशन रोड प्रभारी विजय सनस, उपनिरीक्षक तरुठाकुर , सहायक उपनिरीक्षक महेंद्र ओनकर, सहायक उपनिरीक्षक कल्लू सिंह , सहायक उपनिरीक्षक आरिफ खान, प्रधान आर साजिद अली, प्रधान आर कृष्णकुमार ठाकुर, प्रधान आर राजकुमार धाकड़, प्रधान आर रविशर बोहरे, प्रधान आर नंदकिशोर अहिरवार , आर. दुर्गेश गुर्जर , आर. प्रभाकर चौधरी, आरक्षक नरेश मलिक, आर प्रदीप यादव , आरक्षक रामाधार, आर सतीश पटैल , महिला आरक्षक इशिका दुबे, महिला आर निधि तिनगुनिया को टीम द्वारा सम्पूर्ण कार्यवाही की गयी।

मेट्रो एंकर

सुबह बारिश ने बिगाड़ा खेल, डीएचए और नपा की मेहनत से मिली सफलता

आर्मी जालंधर ने मैच और एनसीआर ने दर्शकों का दिल जीता

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में जिला हॉकी संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता का विजेता बनने को गौरव आर्मी ग्रीन जालंधर ने 3-1 गोल से जीतकर हासिल किया। उत्तर-मध्य रेलवे प्रयागराज की टीम ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन उनका दिन नहीं था। उनको उपविजेता बनकर संतुष्ट होना पड़ा। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीम को कप तथा नगद राशि 71 हजार और 51 हजार सहित व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान



किये। प्रतियोगिता का फ्लैग उतारकर अगले वर्ष के लिए नपाध्यक्ष पंकज चौरे, डीएचए अध्यक्ष प्रशांत जैन और आयोजन समिति अध्यक्ष राहुल चौरे को प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश



पंचौरी, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, मप्र तराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नर्मदापुरम

से डॉ. अतुल सेठा, नर्मदापुरम पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रमोद पगारे, एलकेजी के संचालक निपुण गोठी, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी और डीएचए

मतदाता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित



नर्मदापुरम। पंडित रामलाल शर्मा कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन नर्मदापुरम में 15 वे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम। इस प्रतियोगिता में अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और निबंध लेखन प्रतियोगिता पूर्ण की। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में मतदान के महत्व, उसके प्रभाव और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रिंस जैन के उद्बोधन से की गई। जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को लोकतंत्र में उनकी भूमिका को समझने और मतदान के महत्व को महसूस कराने का अवसर है हर एक वोट हमारे देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाना और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रिंस जैन एवं समस्त स्टाफ व अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बस ने बाइक सवारों को मारी पीछे से टक्कर एनएम जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। रविवार की शाम साढ़े सात बजे दमोह से जबलपुर चलने वाली नवयुग कंपनी यात्री बस ने बाइक को पीछे से टक्कर मारने का घटना सामने आया है जहां घटना की सूचना राहगीरों द्वारा 108 वाहन और तेन्दूखेड़ा पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंची 108 वाहन से घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था जहां से एक महिला को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार नगर से चार किलोमीटर दूर ग्राम नरगुवा के पास बस की टक्कर से तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बंधना से एनएम मालती सैयाम 43 अपने पति लटोरी पिता चमरू सैयाम 36 एवं बच्ची नरमेदी पिता लटोरी 08 निवासी वार्ड 11 तेंदूखेड़ा के साथ घर आ रही थी। शाम 7.15 बजे नरगुवा के पास यात्री बस ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे तीनों लोग मोटरसाइकिल सहित सड़क के नीचे जा गिरे और घायल हो गए जिन्हें 108 वाहन के चालक मनोज पुरोहित एवं डॉक्टर मनीष कोरी ने तुरंत ही घायलों को लेकर नगर के स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहां पर इलाज के बाद जबलपुर रेफर किया गया है वहीं पुलिस ने बस को जप्त कर लिया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

हादसे में घायल डिप्टी रेंजर की इलाज के दौरान मौत

तेंदूखेड़ा। बीते दिनों 28 दिसंबर को वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सीमा क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन पेड़ से गया था घटना के समय बोलेरो में रेंजर डिप्टी रेंजर वनरक्षक बैठे हुये थे जो हादसे में घायल हो गए थे जिन्हें प्राइवेट वाहन से उपचार के लिए पहले रहती उसके बाद सागर और फिर भोपाल ले जाया गया था और सबसे ज्यादा चोट झापन रेंजर प्रतीक कुमार भीपचे और डिप्टी रेंजर फूलसींग राजक को आई थी। गति दिवस डिप्टी रेंजर की मौत हो गई। उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था इसलिए परिवार के लोग उनका उपचार हेतु भोपाल से नागपुर लेकर गए थे। उनकागुह ग्राम में कल अंतिम संस्कार हुआ।

अनुभूति: वन्यप्राणियों से रूबरू हुए विद्यार्थी



तेन्दूखेड़ा!- शनिवार को झलौन वन परिक्षेत्र द्वारा अनुभूति कार्यक्रम कि आयोजन तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के पण्डा बाबा में द्वितीय अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शासकीय उच्च तर माध्यमिक विद्यालय झलौन के छात्र, छात्राओं, शिक्षकों के साथ में भी बाघ, हम हैं बदलाव थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। केप, , कपड़ों से बना थैला, पेन एवं अनुभूति पुस्तक का वितरण शिविर में उपस्थित 121 छात्र- छात्राओं को किया गया। प्राकृतिक पथभ्रमण के दौरान वन्यप्राणियों की प्रजाति, वृक्ष प्रजाति की पहचान, पारिस्थितिकीय तंत्र, विभिन्न वन्यप्राणियों के पदचिन्हों इत्यादि महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। अनुभूति के मास्टर ट्रेनर श्री अशोक साहू प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झलौन द्वारा विद्यार्थियों को प्रकृति भ्रमण में दूरबीन के माध्यम से घाट के किनारे पाये जाने वाली पक्षियों (फैटल इग्रेट, बी-ईटर, रेड बेंटेड बुलबुल, इत्यादि) एवं (कॉमन टाईगर, ग्रास एलो, डैमड एगपलार्ड) की प्रजाति की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थीयों को चाय, नाश्ता, भोजन नो प्लास्टिक यूज को ध्यान में रखते हुए दोना पतल इत्यादि में कराया गया। सभी को आंगला कैंडी वितरित की गई। अनुभूति फिटर में प्राप्त सामग्रियों से विभिन्न प्रकार के रोचक खेल जैसे जंगल की पुकार, हमारी वन संपदा एवं पक्षियों के प्रवास जैसी अन्य गतिविधियां भी कराई गई। बच्चों द्वारा कपड़े से बने थैले के साथ रैम्पवॉक किया गया। गीत गायन का आयोजन कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- वैष्णवी द्वितीय स्थान- मौसम पटेल एवं तृतीय स्थान- नीलम विश्वाकर्मा द्वारा प्राप्त करने पर सम्मानित किए गए

विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने कहा, एस्ट्रोर्टफ के लिए 7 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे, कुछ लोगों के मैदान पर आपत्ति के कारण देरी हुई तो राशि लेप्स हो गयी। लेकिन, उन्होंने आवकस्त किया कि ऐसे कई सात करोड़ आएंगे, और टर्फ लगेगा। मप्र तराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा ने कहा कि सुबह मैदान देखा तो लगा कि मैच कराना असंभव है। डीएचए अध्यक्ष प्रशांत जैन ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि टूर्नामेंट की यह श्रंखला कभी नहीं थमने देंगे, टर्फ भी लगेगा यह पूरा भरोसा है।

के मार्गदर्शक एससी लाल, डीएचए के अध्यक्ष प्रशांत जैन, कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, टूर्नामेंट कमेटी के अध्यक्ष राहुल चौरे, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, जयराज सिंह भानु, रविन्द्र जोशी, पार्षद श्रीमती मनीषा अग्रवाल, सीमा भदौरिया, नाजिया बेग, राहुल प्रधान, जिमी कैथवास, शुभम गौर, नर्मदापुरम से सागर शिवहरे, डीएचए सचिव कन्हैया गुरगानी सहित संघ के सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। संचालन हिमांशु बाबू अग्रवाल ने किया।

प्रशस्ति पत्र देकर विधायक शर्मा ने किया सम्मानित भरसक प्रयास करुंगा सिरोंज और लटेरी में एक-एक ध्यान मंदिर खुले : उमाकांत शर्मा

■ पॉलिथीन का उपयोग
बंद हो : विधायक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आज हार्टफुलनेस मेडिटेशन द्वारा सदगुरु नगर नेत्र चिकित्सालय द्वारा संचालित विद्यालय के प्रांगण में आयोजित एकात्मक अभियान के अंतर्गत गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में 5000 से अधिक लोगों ने एक साथ ध्यान किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे रामचंद्र मिशन के कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं (जन चेतना मंच) उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों और समाजसेवियों (देहदानी/ रक्तदानी) का प्रशस्ति पत्र देकर विधायक उमाकांत शर्मा ने सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा, गजेंद्र गौतम हार्टफुलनेस मध्य प्रदेश के सर्वेसर्वा, श्रीमती रूचि वर्धन मिश्रा, सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के विद्यालय ट्रस्टी सुरेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

सिरोंज लटेरी में खुलेंगे दो ध्यान मंदिर

गुरु दक्षिणा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा ने सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट की पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि आज जिस क्षेत्र में संस्था कार्य कर रही है



15 मिनट कराया ध्यान

एकात्मक अभियान गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हजारों लोगों ने पूज्य श्री कमलेश जी पटेल श्दा जी महाराजश का वरुंअल संदेश सुना इसके उपरांत सभी ने अपने आप को एकाग्र कर 15 मिनट तक ध्यान किया यह ध्यान शून्य से शिखर की ओर ले जाने वाला महसूस किया गया। इस अवसर पर हार्टफुलनेस मेडिटेशन के मध्य प्रदेश प्रभारी गजेंद्र गौतम ने बताया कि हार्टफुलनेस मेडिटेशन एकात्म अभियान के अंतर्गत गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का शुभारंभ मध्य प्रदेश सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट में गुरुदेव रणछोड़ दास जी महाराज की तपोभूमि भूमि से शुभारंभ किया जा रहा है। यह गुरु दक्षिणा का कार्यक्रम पूरे देश में 125000 गांव में किया जा रहा जाएगा। जिसका आज गुरुदेव की पावन भूमि से शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर हार्टफुलनेस के जितेंद्र मीणा, सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के रवि उपाध्याय, सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के अनेक अधिकारी/कर्मचारी, गजेंद्र उपाध्याय, सामाजिक संगठन जन चेतना मंच, राममोहन पाराशर, पवन अहिरवार, सहित हजारों लोगों ने एक साथ गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में ध्यान किया। एकात्म अभियान गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के समापन के उपरांत सभी लोगों को सामूहिक भोजन भी कराया।

वह बहुत ही सराहनीय है आज हार्टफुलनेस मेडिटेशन का जो एक आत्मा अभियान गुरु दक्षिणा कार्यक्रम संपन्न हो रहा है मैं चाहता हूं कि सिरोंज और लटेरी में भी एक-एक ध्यान मंदिर खुले इसके लिए वह हर संभव प्रयास करेंगे। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट (नेत्र चिकित्सालय) के प्रबंधक मिलिंद रावल ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव

रणछोड़ दास जी महाराज के दिव्या वचनों पर चलकर ही सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट निरंतर पीढ़ित मानवता की सेवा कर रहा है यहां पर हॉस्पिटल, विद्यालय, गौशाला के साथ ही एक दिव्यांग जनों के लिए विद्यालय भी संचालित संस्था द्वारा किया जा रहा है ट्रस्ट का नेत्र चिकित्सालय 1 वर्ष में 50000 से अधिक नेत्र रोगी मोतियाबिंद के



ऑपरेशन निशुल्क करता है। जोकि अपने आप में एक उपलब्धि और संस्था का समर्पण दर्शाता है। (आईपीएस) श्रीमती रूचि वर्धन मिश्रा ने नशा मुक्ति का संदेश देते हुए सभी से नशा नहीं करने की अपील करते हुए सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

बच्चों ने आंखों पर पट्टी बांधकर पहचाने रंग

गुरुत्वाकर्षण कार्यक्रम में मेडिटेशन के दौरान पांच बच्चे सुशीला शिवानी प्रार्थना आराध्या और शैलेन्द्र ने अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर कार्ड के रंग और नंबर पहचाने साथ ही उनके हाथों में बोल कर्माई तो उन्होंने बिना देखे बाल का रंग बताते हुए नोट रुपए का रंग और उसके नंबर बताकर सभी को हैरत में डाल दिया इसी दौरान एसडीओपी अजय मिश्रा ने 100 की नोट देते हुए कहा कि आंखों पर पट्टी बंधी है अभिषेक पहचान कर बताओ यह क्या है तो बच्चे ने तुरंत ही नोट की खुशबू से पता कर बता दिया कि यह 100

का नोट है और इस पर कितने अंक लिखे हुए हैं। इस अवसर पर हार्टफुलनेस संस्था की कार्यकर्ता ने बताया कि हार्टफुलनेस संस्था का ब्राइटर माइंड अल्फा कार्यक्रम का आयोजन करता है जो की एक प्रमाणित प्रणाली है जो बच्चों में दाएं एवं बाएं मस्तिष्क में सामंजस्य लाता है एवं बच्चों में सीखने व सामंजस्य बढ़ा कर बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ती है इसी के तहत बच्चे सारी गतिविधियां करते हैं। और आसानी से वास्तु व वस्तु का रंग पहचान लेते हैं।

आनंदपुर में निकाली जागरुकता रैली

इससे पूर्व सभी ग्रामीण जनों को जागरुक करते हुए आनंदपुर के शिव मंदिर मंडी प्रांगण से इंदिरा आवास कॉलोनी तक लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी जागरुकता रैली भी निकाली जिसमें सभी हार्टफुलनेस की ध्वजा पताका हाथों में लेकर ग्रामीण जनों को ध्यान करने के लिए जागरुक करते हुए कदम ताल करते हुए चल रहे थे।

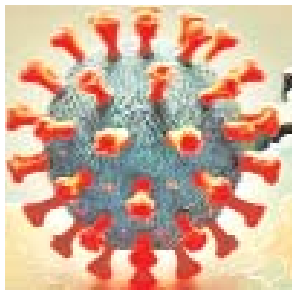
ह्यूमन मेटान्यूमों वायरस से बचने एडवाइजरी जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा ह्यूमन मेटान्यूमों वायरस (एचएमपीव्ही) से बचाव व सावधानियां से आमजनों को सुगमतापूर्वक अवगत कराने के उद्देश्यों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने बताया कि देश के कुछ राज्यों में बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए विदिशा जिले की समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में तर्तसंबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस कैसे फैलता

ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस की पहचान पहली बार 2001 में हुई थी, यह वायरस मुख्य रूप से श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। श्दृष्ट (ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस) संक्रमित व्यक्ति के खोंसने एवं छींकने से फैलता है। दूषित सतहों को छूने के बाद आँख, नाम व मुँह को छूने से भी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। बुखार, नाक बहना, गले में खराश, खोंसी, साँस लेने में दिक्कत एवं थकान इसके आम लक्षण है।



बचाव हेतु सावधानी

ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस से बचाव के लिए आम जनों को सलाह दी गई है कि साबुन एवं पानी से बार-बार हाथ, मुँह धोते रहो। भीड़-भाड़ वाली जगहों में जाने से बचें, आवश्यक होने पर मास्क का उपयोग करें। खोंसने एवं छींकने पर मुँह को कोहनी व रूमाल का उपयोग करें। सर्दी-खोंसी, निमोनिया एवं संबंधित लक्षणों वाले बच्चों को स्कूल न भेजे, घर पर ही आराम करने की सलाह दें। बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। लक्षण होने पर तत्काल शासकीय चिकित्सको से उपचार लें। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में उपचार हेतु समस्त सुविधा उपलब्ध है, जिसमें आईसोलेशन बिस्तर, ऑक्सीजन, दवाईयाँ एवं लॉजिस्टिक व वेन्टीलेटर सम्मिलित है।

कलेक्टर ने घाटों की व्यवस्था का जायजा लिया, कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए



सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रैशन कुमार सिंह ने मकर संक्रान्ति पर्व के दौरान बेतवा नदी के घाटों पर स्नान करने आने वालों नागरिकों को असुविधाओं का सामना ना करना पड़े इसके लिए किए गए प्रबंधों का भ्रमण कर जायजा लिया है। बेहतर प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने घाटों पर सुरक्षा के प्रबंधों के संबंध में

पूछताछ की और किसी भी प्रकार की अनहोनी, दुर्घटना घटित ना हो इसके लिए चौकस, सतर्क हो कर सुरक्षा प्रबंधों का क्रियान्वयन आमजनों के हितार्थ को ध्यान गत रखते हुए करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण भ्रमण के दौरान एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा तहसीलदार डॉक्टर अमित सिंह मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री दुर्गाेश सिंह के साथ साथ अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फिर लौटा कोहरा इसकी चादर में ढांका शहर



सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रविवार की सुबह घने कोहरे से हुई इसका असर इतना अधिक था कि आसपास का भी नजर नहीं आ रहा था 10 बजे तक कोहरे के कारण ब वाहन चालकों को लाइट जलाकर वाहनों को चलना पड़ा था फिर भी आस पास का बड़ी मुश्किल से दिखाई दे रहा था वाहन चलाने में कठिनाई हो रही थी सर्दी का सितम भी एकदम से बढ़ गया है। बादलों की लुका छुपी का दौर भी दिन भर चलता रहा ठंडी हवाएं चलने से सर्दी में भी वृद्धि हो गई घरों से निकलने में हालत खराब हो रही है। मौसम में हो रहे बदलाव के बाद सर्दी जुकाम से भी लोग पीड़ित हो रहे हैं। दूसरी ओर ठंड लौटने से किसानों के चेहरे पर भी रौनक देखने को मिल रही है। सर्दी अच्छी पढ़ने से फसलों के उत्पादन भी वृद्धि होगी छुट्टी का दिन होने के कारण बाजार में चहल-पहल भी बहुत काम रही। वहीं संक्रांति तक इसी तरह की ठंड पड़ने का अनुमान मौसम विभाग के द्वारा जाहिर किया है।

मेट्रो एंकर स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई

सूर्य नमस्कार, योग व प्राणायाम को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का किया आह्वान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रविवार को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई गई इसके चलते नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में आयोजन हुए योग से रोग भगाने का संकल्प भी लिया सीएम राइज स्कूल में स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस पर युवा दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू, नपा सीएमओ राम प्रकाश साहू, बीईओ



उमेश सोनी, बीआरसी ओमप्रकाश रघुवंशी, पार्षद संजय सोनी तथा प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार समस्त स्टाफ एवं छात्रों ने सामूहिक रूप से हार्ड स्कूल ग्राउंड पर सूर्य नमस्कार

किया। रेडियो पर युवा दिवस पर सीएम का सीधा प्रसारण सुना एवं सूर्य नमस्कार कराया गया तथा योग की विभिन्न विधाओं से छात्रों को अवगत कराते हुए कहा कि योग से



हम किस तरह निरोगी रह सकते हैं प्रतिदिन हमको योग करना चाहिए साथ ही स्वामी जी के जीवन चरित्र पर भी प्रकाश डाला। इसी प्रकार सीएम राइज उत्कृष्ट

उमावि लटेरी में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के उपलक्ष्य में विकासखंड स्तरीय योगाभ्यास एवं प्राणायाम कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभा रंभ विनीत तिवारी

करने के लाभों से छात्र-छात्राओं गणमसन नागरिकों एवं पसलक गनों को परिचित कराया लक्ष्मण सिंह विवेकानंद जी एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन माल्यार्पण तथा पूजन कर शुभारंभ किया गया संस्था प्राचार्य द्वारा सूर्य नमस्कार और योग



महिला क्रिकेट- भारत ने आयरलैंड को 116 रन से हराया, हाईएस्ट वनडे स्कोर बनाया

राजकोट. एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। टीम ने रविवार को दूसरे वनडे मुकाबले में 116 रन की जीत हासिल की। इस जीत के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बत बना ली है। सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 370 रन स्कोर खड़ा किया। यह टीम का सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। जवाब में आयरलैंड की टीम 50 ओवर में 7 विकेट पर 254 रन ही बना सकी। भारतीय टीम की ओर से जेमिमा रोड्रिगज ने शतकीय पारी खेली। उन्हें

प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आयरलैंड की खराब शुरुआत 371 रन का टारगेट चेज कर रही आयरिश टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 32 रन के टीम स्कोर पर ओपनर गैबी लुईस का विकेट गंवाया। वे 19 बॉल पर महज 12 रन बना सकीं। टीम ने पहले पावरप्ले के 10 ओवर में एक विकेट पर 40 रन बना लिए थे। सारा और रैली ने पारी संभाली पहला विकेट जल्दी गंवांने के बाद ओपनर सारा फोर्ब्स ने क्रिस्टीना कूल्टर रीली के साथ मिलकर आयरिश पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 80 बॉल पर 55 रन की साझेदारी की। यहां दीप्ति शर्मा ने सारा को बोल्ड कर दिया। रीली का अर्धशतक, डेलानी ने 37 रन बनाए सारा के आउट होने के बाद रीली ने

पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने लौरा डेलानी के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। रैली ने 113 बॉल पर 80 रन बनाए, जबकि डेलानी ने 37 रन का योगदान दिया। भारतीय टीम की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटकें। प्रिया मिश्रा को 2 विकेट मिले।

मंधाना-रावल ने दिलाई मजबूत शुरुआत : ओपनर स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने टॉस जीतकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने 156 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को ओला प्रेंड्रैगैस्ट ने तोड़। यहां स्मृत मंधाना 54 बॉल पर 73 रन बनाकर आउट हुईं। फिर 20वें ओवर की पहली बॉल पर डेम्पसे ने रावल को कर दिया।

आईपीएल का सीजन 21 मार्च से शुरू होगा, 25 मई को कोलकाता में फाइनल

नईदिल्ली. एजेंसी

आईपीएल 2025 का पहला मैच 21 मार्च को कोलकाता में खेला जाएगा। यहीं 25 मई को टूर्नामेंट का फाइनल भी होगा। वहीं, विमेंस प्रीमियर लीग का तीसरा सीजन 7 फरवरी से शुरू होकर 2 मार्च तक चलेगा। इस बार का टूर्नामेंट 2 की बजाय 4 वेन्यू पर खेला जाएगा। रिपोर्ट अनुसार आईपीएल कमेटी ने सभी फ्रेंचाइजी को टूर्नामेंट शुरू होने की डिटेल भेज दी है, जिससे कि वे खिलाड़ियों को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दें। कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल की डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था। आईपीएल का पूरा शेड्यूल जनवरी के आखिर में रिलीज किया जा सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी के कारण देर से शुरू होगा टूर्नामेंट नवंबर में आईपीएल का मेगा ऑक्शन हुआ। जिसके बाद कमेटी ने सभी टीमों को अगले 3 साल का संभावित शेड्यूल बताया था। जिसके हिसाब से इस बार का टूर्नामेंट 15 मार्च से 25 मई तक चलेगा था। हालांकि 9 मार्च को आईपीएल चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला जाएगा। इसलिए प्लेयर्स को आराम देने के लिए बीसीसीआई ने आईपीएल शुरू होने की तारीख को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। 18वें सीजन में 74 मैच होंगे 2025 में आईपीएल का 18वां सीजन होगा, टूर्नामेंट



2008 में शुरू हुआ था और तब से हर साल खेला जा रहा है। 18वें सीजन में 10 टीमों के बीच 74 मैच होंगे, इतने ही मैच 2022 से हर सीजन में खेले जा रहे हैं। 2022 में जब आईपीएल ने अपने ब्रांडकार्टिंग राइट्स बेचे थे, तब कहा था कि 2025 और 2026 के सीजन में 84-84 मैच होंगे। हालांकि प्लेयर्स का वर्कलोड मैनेज करने के लिए कमेटी इस बार 74 मैच ही आयोजित कराने वाली है। 4 मैदानों पर होगा डब्ल्यूपीएल बीसीसीआई ने

यह भी तय किया है कि इस बार 4 मैदानों पर खेला जाएगा। पिछले सीजन में मुंबई और बंगलुरु में सभी मैच हुए थे, इस बार भी दोनों वेन्यू को मेजबानी मिली है। हालांकि इस बार वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम और लखनऊ के इकाना स्टेडियम को भी मेजबानी मिली है। मुंबई में ब्रेवोने स्टेडियम में मैच होने हैं। किस वेन्यू पर कितने मैच होंगे, यह शेड्यूल रिलीज होने के बाद ही साफ हो पाएगा। आईपीएल की शुरुआत 2023 में हुई थी। मुंबई इंडियंस ने

19 फरवरी से शुरू होगी चैंपियंस ट्रॉफी

चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में खेती जाएगी। इसके 2 सप्ताह बाद आईपीएल शुरू होगा। अगर टीम इंडिया फाइनल में पहुंची तो भी प्लेयर्स के पास रेस्ट के लिए अच्छा-खासा समय रहेगा। डिफेंडिंग चैंपियन के घर में पहला मैच आईपीएल में परंपरा रही है कि डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर अगले सीजन का पहला और फाइनल मैच खेला जाता है। 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई में खिताब जीता था। इसलिए अब कोलकाता में ओपनिंग और फाइनल मैच होगा। हालांकि चक्रका सामना ओपनिंग मैच में किस टीम से होगा, यह अब तक सामने नहीं आया है।

पहले सीजन और रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने पिछले सीजन का खिताब जीता। दोनों ही टीमों ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। टूर्नामेंट में 5 टीमों के बीच 22 मैच खेले जाएंगे। आईपीएल मेगा ऑक्शन- 182 प्लेयर्स बिके, 639.15 करोड़ खर्च सऊदी अरब के जेद्दाह में 2 दिन चला आईपीएल का मेगा ऑक्शन पूरा हो गया।

पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया

नईदिल्ली. एजेंसी

आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया है। फ्रेंचाइजी ने अय्यर को कप्तान बनाए जाने की घोषणा की। पंजाब की फ्रेंचाइजी ने श्रेयस को 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब (जेद्दा) में आयोजित मेगा ऑक्शन में 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा है। 30 साल के अय्यर ने पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपनी कप्तानी में खिताब जीताया था। वे दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी भी कर चुके हैं। श्रेयस टीम की कप्तान संभालने के लिए जल्द ही हेड कोच रिकी पोंटिंग के साथ फिर से जुड़ेंगे। आईपीएल का नया सीजन 21 मार्च से शुरू होगा। इस सीजन का ओपनिंग मैच कोलकाता में खेला जाएगा। वहीं, 25 मई को टूर्नामेंट का फाइनल भी होगा।



कप्तान बनने के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा

मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि टीम ने मुझ पर अपना विश्वास जताया है। मैं कोच पोंटिंग के साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। टीम मजबूत दिख रही है, जिसमें क्षमतावान और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। मुझे उम्मीद है कि मैनेजमेंट द्वारा दिखाए गए विश्वास को हम अपना पहला खिताब दिलाकर चुका पाएंगे। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में आधे से ज्यादा मैच जीते श्रेयस अय्यर ने 70 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है। उन्हें 38 मैचों में जीत मिली है, जबकि 29 मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा है। साथ ही 2 मैच टाई और एक नो रिजल्ट रहा है। श्रेयस का विनिंग परसेंट 54.28 रहा है। आईपीएल के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्होंने मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा है। उनसे ज्यादा ऋद्धि पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए की राशि में खरीदा है। वहीं, वेंकटेश अय्यर को कोलकाता ने 23.75 करोड़ रुपए में अपने साथ रखा है।



मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

कंपनी के स्टॉक में 231फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई है, जो रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है और इसका बाजार मूल्य प्रभावशाली 1.83 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इसकी तुलना में अल्फाबेट का बाजार पूंजीकरण 1.82 ट्रिलियन है। पिछले कुछ दिनों से एक कंपनी काफी चर्चा में है, इसका नाम है एनवीडिया।एनवीडिया ने गूगल-पैरेंट अल्फाबेट के शेयर बाजार पूंजीकरण को कुछ समय के लिए पछाड़कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। एआई एनवीडिया के पोस्टर बॉय ने गूगल-पैरेंट अल्फाबेट के शेयर बाजार पूंजीकरण को कुछ समय के लिए पछाड़कर तीसरी सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनी बन गई। यह उछाल एनवीडिया के चिप्स की मजबूत मांग से प्रेरित था, जिसका व्यापक रूप से कृत्रिम

गूगल और अमेजन को पछाड़ाकर एनवीडिया तीसरी सबसे बड़ी कंपनी



बुद्धिमत्ता कंप्यूटिंग में उपयोग किया जाता है। पिछले 12 महीनों में, कंपनी के स्टॉक में 231 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई है, जो रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है और इसका बाजार मूल्य प्रभावशाली 1.83 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इसकी तुलना में अल्फाबेट का बाजार पूंजीकरण 1.82 ट्रिलियन है। इस वर्ष एनवीडिया के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने इसे एसएंडपी 500 घटकों के बीच शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है, यहां तक कि प्रसिद्ध मैग्नीफिसेंट सेवन के घटकों को भी पीछे छोड़ दिया है। अपने चौथी तिमाही के नतीजों की रिपोर्ट करने से कुछ दिन पहले, एनवीडिया ने बाजार मूल्य में एमेजोन को भी पीछे छोड़ दिया और पांचवां स्थान हासिल किया। विशेष रूप से माइक्रोसाफ्ट पहले एप्पल को पछाड़कर सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनी बन गई थी।

वॉल स्ट्रीट विश्लेषकों का अनुमान है कि एनवीडिया का चौथी तिमाही का मुनाफा 11.38 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा - जो कि पिछले वर्ष की तुलना में आश्चर्यजनक रूप से 400व अधिक है। इसके अलावा, कंपनी का राजस्व तीन गुना से अधिक बढ़कर 20.37 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एलएसईजी डेटा के अनुसार, वर्तमान में यह अपने अग्रिम आय अनुमान के 33.19 गुना पर कारोबार कर रहा है, एनवीडिया का मूल्यांकन उद्योग के औसत गुणक 27.35 से अधिक है। यह उच्च गुणक बताता है कि स्टॉक ने पहले ही अपनी कमाई क्षमता का आकलन कर लिया है, पछाड़कर अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनी बन गई थी। और पिछले हफ्ते, एनवीडिया ने द्रष्टु श्रद्धा के बाजार मूल्य को पार कर लिया, जिससे खुदरा दिग्गज पांचवें स्थान पर आ गया। तो, बाजार मूल्य के हिसाब से शीर्ष पांच सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनियां माइक्रोसाफ्ट, एप्पल, गूगल-पैरेंट अल्फाबेट, एनवीडिया और अमेज़न हैं।

सरकार ने बढ़ाया विंडफॉल गेन टैक्स

नईदिल्ली, एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बाद सरकार ने घरेलू कूड ऑयल पर विंडफॉल गेन टैक्स को बढ़ाने का फैसला किया है। आज से ये बढ़ोतरी लागू मानी जाएगी। सरकार ने कूड ऑयल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को मौजूदा लेवल 3200 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 3300 रुपये प्रति टन बढ़ाने का फैसला किया है। डीजल पर एक्सपोर्ट टैक्स में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि पेट्रोल और एटीएफ पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार के द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार ओएनजीसी जैसी सरकारी तेल कंपनियों को घरेलू उत्पादन होने

वाले कच्चे तेल पर 3300 रुपये प्रति टन स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी के रूप में विंडफॉल गेन टैक्स का भुगतान करना होगा। हाल के दिनों में कच्चे तेल के दामों में आए बढ़ोतरी के बाद सरकार ने ये फैसला लिया है। इसी महीने ने सरकार ने घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को 1700 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 3200 रुपये प्रति टन कर दिया था। कच्चे तेल की कीमतों के 75 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने के बाद सरकार देश में होने वाले कच्चे तेल के उत्पादन पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी के रूप में विंडफॉल गेन टैक्स लगाती है जिससे निर्यात से होने वाले ज्यादा कमाई पर सरकार ज्यादा टैक्स वसूल सके.

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना



हाथीराम का रोल निभाना लगा कैसा, जयदीप अहलावत ने पाताल लोक 2 के कई रहस्य से उठाया पर्दा

जयदीप अहलावत पाताल लोक सीजन 2 में हाथीराम चौधरी की अपनी भूमिका को दोहराएंगे। दूसरा सीजन 17 जनवरी, 2025 को रिलीज किया जाएगा। इसी बीच उन्होंने अपने किरदार को लेकर कई दिलचस्प बातें बताई हैं। पाताल लोक अमेजन प्राइम वीडियो पर सबसे पसंदीदा क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में से एक है। इस सीरीज का दूसरा भाग पाताल लोक 2 बस कुछ ही दिनों में वापसी कर रहा है। निर्माताओं ने वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज कर प्रशंसकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। इसी बीच सीरीज में हाथीराम चौधरी की भूमिका से वापसी कर रहे जयदीप अहलावत ने सीरीज के कई रहस्यों से पर्दा उठाया है। पाताल लोक सीजन 2 में कई नए ट्विस्ट दिखाए गए हैं, जिसमें प्रवासी रहस्य और खतरनाक ड्रग सिंडिकेट्स की खोज की गई है, जबकि जयदीप अहलावत अपने हाथीराम चौधरी की भूमिका को फिर से दोहराते नजर आए। एक नए इंटरव्यू में, अभिनेता ने अपने किरदार को फिर से निभाने के बारे में खुलकर बात की और सीजन 2 के बारे में कई रहस्य से पर्दा भी उठाया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जयदीप अहलावत ने कहा कि चार साल के ब्रेक के बाद हाथीराम चौधरी की भूमिका में वापसी करने में उन्हें कोई खास मशकत नहीं करनी पड़ी। जयदीप अहलावत ने आगे कहा, सीजन 1 के आखिर तक हाथीराम ने खुद को आजाद महसूस कराया, उसे अपनी पत्नी, बेटे या सहकर्मियों के सामने खुद को साबित करने की जरूरत नहीं थी। वह अब पहले से ज्यादा शांत है और उसने अपनी परिस्थितियों को स्वीकार कर लिया है। आगे जयदीप अहलावत ने कहा, यह एक ऐसी भूमिका है जो मेरे बहुत करीब है और मैंने इसके साथ बहुत सारे यादगार पल बिताए और इसे फिर से निभाना घर वापस जाने जैसा था। जयदीप ने पाताल लोक सीजन 2 को लेकर कहा, सीजन 2 में बहुत सी चीजें सामने आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि बहुत सारी नई चुनौतियां आती हैं और ऐसा लगता है कि पुरानी कहानी से किरदार का अनुभव मिला है।

वीर की पोस्ट पर भावुक हुई जान्हवी कपूर

‘स्काई फोर्स’ से डेब्यू करने वाले वीर पहाड़िया ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की, जिसे देखकर जान्हवी कपूर भावुक हो गईं। वीर पहाड़िया के भाई और जान्हवी के रुमड बॉयफ्रेंड ने भी इस पर रिएक्शन दिया। हाल ही में शिखर पहाड़िया के भाई वीर पहाड़िया ने सोशल मीडिया पर एक मार्मिक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट ने अभिनेत्री जान्हवी कपूर को भावुक कर दिया। वीर पहाड़िया अक्षय कुमार अभिनीत ‘स्काई फोर्स’ से बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। 24 जनवरी, 2025 को फिल्म की रिलीज से पहले, उन्होंने स्काइन लीडर अज्जामद बोपट्टा देवय्या की पत्नी और परिवार से मुलाकात की, जिनकी भूमिका वह आगामी फिल्म में निभा रहे हैं। वीर पहाड़िया ने महावीर चक्र विजेता, स्काइन लीडर अज्जामद बोपट्टा देवय्या के परिवार के लिए अपनी प्रशंसा और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने उनके परिवार के साथ तस्वीरें भी साझा कीं। पोस्ट करने के तुरंत बाद जान्हवी कपूर और उनके रुमड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया ने कमेंट सेक्शन में उनकी प्रशंसा की। वीर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर देवय्या की पत्नी श्रीमती सुंदरी देवय्या और उनकी बेटियों, रिमता और प्रीता के साथ अपनी मुलाकात की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, फ्राऊज बंगलुरु में महावीर चक्र विजेता, स्काइन लीडर अज्जामद बोपट्टा देवय्या की 90 व्षीय पत्नी श्रीमती सुंदरी देवय्या और उनकी बेटियों, रिमता और प्रीता से मिलने के बाद मैंने जो भावनाएं महसूस कीं, उन्हें शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, फ्रपिछले साढ़े 3 सालों से, मैं स्काई फोर्स में ‘टैबी’ के रूप में अपनी भूमिका की तैयारी करते हुए इस असाधारण व्यक्ति के जीवन और वीरता के बारे में जानने में इर्षा हुआ हूं। मुझे लगा कि मैं उनकी बहादुरी और बलिदान को समझ गया हूं। लेकिन आज, उनके परिवार से किस्से सुनकर, जो लोग उन्हें जानते थे, उनसे प्यार करते थे, और उनकी यादों का सम्मान करना जारी रखते हैं, मैं भावुक हो गया। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने वीर की पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में कई इमोजी बनाकर जताया कि वह कितनी भावुक हैं। वहीं, शिखर ने टिप्पणी की, कोई शब्द नहीं, वाह। मेजॉक फिल्म्स की ‘स्काई फोर्स’ में अक्षय कुमार, सारा अली खान, वीर और निम्रत कोर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को 24 जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। अमर कौशिक, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। अभिषेक कपूर और अभिषेक अनिल कपूर ने फिल्म का निर्देशन किया है।



जानिए बॉक्स ऑफिस पर कैसी रहेगी ‘संक्रांतिकी वरथुन्नम’ की शुरुआत

फिल्म संक्रांतिकी वरथुन्नम के निर्माता बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत शानदार रहने की उम्मीद जता रहे हैं। फिल्म में वेंकटेश मुख्य भूमिका में हैं। मकर संक्रांति में एकमात्र बड़ी फिल्म जो अभी तक रिलीज होनी बाकी है, वह है संक्रांतिकी वरथुन्नम। इस फिल्म का अब तक काफी ज्यादा बज सोशल मीडिया पर बन चुका है। वेंकटेश की मुख्य भूमिका वाली इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अनिल रघुप्रेठी ने किया है। इन दिनों फिल्म का जोर-शोर से प्रचार किया जा रहा है। इसी वजह से एक्स से लेकर इंस्टाग्राम तक पर फैंस में फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। फिल्म के निर्माता बॉक्स ऑफिस पर संक्रांतिकी वरथुन्नम की अच्छी शुरुआत की उम्मीद जता रहे हैं। बुक माथ शो पर अब तक एक लाख से ज्यादा टिकट की बुकिंग हो चुकी है। ऐसे में कहा जा रहा है कि फिल्म टिकट प्रिडिक्टी पर पहले दिन मजबूत ओपनिंग ले सकती है। हालांकि, फिल्म का भविष्य कैसा रहेगा यह इसकी कहानी और कलाकारों के अभिनय पर निर्भर करता है। फिल्म के गाने, टीजर और ट्रेलर को बड़ी संख्या में वेंकटेश के फैंस ने पसंद किया है। इसी वजह से निर्माता भी फिल्म के हिट होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। यह फिल्म कल यानी 14 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें ऐश्वर्या राजेश, मीनाक्षी चौधरी, नरेश जैसे प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण दिल राजू ने किया है। भीम्स सेसिरिलेओ ने इस फिल्म का संगीत तैयार किया है। देखना दिलचस्प होगा कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा पाती है या नहीं।

हॉस्पिटल के मंदिर से चांदी की मूर्ति चुराने वाली महिला गिरफ्तार रूठी लक्ष्मी को मनाकर आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए मूर्ति चुराई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सागर मल्टी स्पेसल्टी हॉस्पिटल से चांदी की मूर्ति चुराने वाली महिला फीजियोथैरेपिस्ट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला गत 9 जनवरी को मंदिर पहुंची थीं। महज तीन मिनट के अंदर उसने चांदी की मूर्ति चुराई और बैंक्स में रखकर उसे ले आई।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल की गई फोर्ड कार भी जब्त की गई है। महिला से चोरी करने का कारण पूछा गया तो उसने चौकाने वाला जवाब दिया और कहा कि लक्ष्मी जी नाराज थीं। इसलिए वह मंदिर से लक्ष्मी उठाकर घर ले आई।

थाना प्रभारी मनीष राज भदौरिया ने बताया कि राजेश कुमार सिंह ने शिकायत करते हुए बताया कि वह सागर मल्टी स्पेसल्टी हॉस्पिटल में जनरल मैनेजर ऑपरेशनस हैं। सागर मल्टी स्पेसल्टी हॉस्पिटल के सामने कैपस में श्री राम मंदिर है।

मंदिर में बिजेंद्र शर्मा पुजारी हैं। 9 जनवरी की शाम करीब पौने छह बजे बिजेंद्र शर्मा मंदिर में पूजा करने पहुंचे। इस दौरान उन्हें मंदिर में रखी चांदी की लक्ष्मी जी की चांदी मूर्ति नहीं दिखी। उन्होंने हॉस्पिटल प्रबंधन को घटना की जानकारी दी। प्रबंधन ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो शाम करीब 5 बजकर 20 मिनट पर एक महिला मंदिर में प्रवेश करते हुए नजर आई। उसके हाथ में दो छोटे-छोटे बैंक्स थे। लगभग 3 मिनट तक वह मंदिर में रुकी और



मंदिर से बाहर मुंह पर कपड़ा बांधकर निकलकर आई।

कार के नंबर और फुटेज से पकड़ाई महिला

पुलिस ने घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुख्य सड़क के फुटेज देखे। इस दौरान एक फोर्ड कार में महिला जाते हुए नजर आई। पुलिस ने फुटेज का रूटमैप तैयार किया और कार के नंबर के आधार पर पुलिस ने गोल्डन सिटी बागसेवनिया पहुंची। वहां पता चला कि गोल्डन सिटी में उक्त महिला का मकान है और वह मकान बेच चुकी हैं। पुलिस ने महिला के सोशल मीडिया अकाउंट तलाश किए और उसका सुराग लगाते हुए

बागसेवनिया स्थित उसके किराए के मकान से उसे गिरफ्तार कर लिया।

फीजियोथैरेपिस्ट है महिला

गिरफ्तार महिला की पहचान मोनिका चेलानी पिता अशोक चेलानी (42) मकान नंबर-सी 12, साधना इक्लेव अग्रवाल नगर, बागसेवनिया के रूप में की गई। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि वह अविवाहित है और फीजियोथैरेपिस्ट है। पिता फैक्ट्री का संचालन करते थे। पिता का काम बंद हो गया और वह भी बेरोजगार हो गई थीं। लक्ष्मी रूठ चुकी थी, इसलिए वह लक्ष्मी जी की मूर्ति चुराकर ले आईं। पुलिस ने उससे चुराई गई 60 हजार रुपए की मूर्ति बरामद कर ली है।

दोस्त की प्रताड़ना से परेशान तलाकशुदा महिला ने लगाई फांसी



भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा पुलिस ने शिव नगर फेस-3 में 13 दिन पहले तलाकशुदा महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या के मामले में उसके दोस्त पर आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला था। सुसाइड नोट और जांच में पता चला कि महिला का दोस्त उसने प्रताड़ित कर रहा था। आरोपी ने महिला से 4 लाख रुपए उधार लिए थे, लेकिन बाद में उसने पैसा लौटाने से साफ इनकार कर दिया था। घटना के बाद से आरोपी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार शिव नगर फेस-3 निशातपुरा निवासी ज्योति महावर (40) की शादी करीब 13 साल पहले हुई थी। उनका एक 12 साल का बेटा है। करीब 10 साल पहले ज्योति का तलाक हो गया था। तलाक के बाद उसने अपने बेटे को उसकी नानी के घर छोड़ दिया था, जबकि वह खुद मंडीदीप स्थित एक

उधारी के चार लाख रुपए नहीं लौटा रहा था आरोपी, प्रकरण दर्ज

धागा फैक्ट्री में काम करने लगी थी। विगत 30 दिसंबर को ज्योति ने घर का दरवाजा भीतर से बंद कर फांसी लगा ली। ज्योति की बहन उसे कॉल लगा रही थी लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ, तब छोटा भाई संजय सुध लेने पहुंचा। दरवाजा तोड़कर देखने पर ज्योति का शव दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला था जिसमें उसने विजय नामक एक शख्स को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया था। मार्ग की जांच करने पर पता चला कि विजय महिला का दोस्त था। कुछ दिन पहले उसने ज्योति महावर से चार लाख रुपए उधार लिए थे और जल्द ही पैसा लौटाने का वादा किया था। लेकिन वह उधारी का पैसा लौटा नहीं रहा था।

इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर नाबालिग बहनों की फोटो अपलोड की



भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में 13 और 15 साल की सगी बहनों के नाम की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर फोटो और वीडियो अपलोड करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने उक्त मामले में नाबालिग के साथ पढ़ने वाले सहपाठियों पर प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, एक साल पहले उनके बीच बातचीत होती थी, लेकिन किसी कारण से बहनों ने उससे बातचीत बंद कर दी। दोनों सहपाठी उन पर बात करने और दोस्ती करने का दबाव बना रहे थे। बहनों ने इंकार किया तो आरोपियों ने बहनों की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई और उनके फोटो अपलोड कर दिए। बात बंद करने से सहपाठी ने ही हरकत, पावसो एवट की धाराओं में प्रकरण दर्ज पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार निशातपुरा की एक कॉलोनी में रहने वाली 13 व 15 साल की दो बहनों स्कूली छात्रा हैं। करीब एक साल पहले उनकी स्कूल में अलग-अलग वलासों में पढ़ने वाले दो लड़कों से बातचीत होती थी। लड़कियों के माता-पिता को इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने अपनी बेटियों से लड़कों से बात करने से मना कर दिया। तब ही से दोनों बहनों ने उन लड़कों से बातचीत बंद कर दी थी। इससे दोनों लड़के भड़क गए। पहले तो उन दोनों ने लड़कियों पर बातचीत और दोस्ती करने का दबाव बनाया, लेकिन लड़कियों ने उनकी बात नहीं मानी तो दोनों ने बहनों के नाम व फोटो की अलग-अलग इंस्टाग्राम आईडी बनाकर फोटो अपलोड कर दिए। पुलिस ने बताया कि जो फोटो अपलोड किए गए हैं वो दोनों लड़कों के साथ हैं। फोटो में किसी तरह की अश्लीलता नहीं है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों में एक बालअपचारी है।

ठेकेदार की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार अन्य की तलाश , भाई की हालत नाजुक

गुंडालिस्ट में शामिल है बदमाश, मृतक के भाई का हुआ ऑपरेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित उमराव कॉलोनी, जनता नगर में शनिवार शाम घर में घुसकर कंस्ट्रक्शन ठेकेदार की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका बेटा और अन्य आरोपियों फरार है। उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार उमराव कॉलोनी करोंद निवासी इरफान अंसारी (32) कंस्ट्रक्शन ठेकेदार थे। इन दिनों उनके भाई रईस अंसारी के मकान में कंस्ट्रक्शन चल रहा है। इरफान मकान की छत खालने से लेकर अन्य काम करवा रहे थे। शनिवार दोपहर सेंटिंग प्लेट की एक बल्लू बाहर की ओर पड़ोस में रहने वाले भैया उर्फ काला के बिजली के तार पर गिर गई। तार टूटने से नाराज भैया भैया काला और उसके बेटे अरशू का ठेकेदार से विवाद हो गया। उस समय कुछ लोगों ने समझाइश देकर मामला शांत करा दिया था। शाम होते ही भैया काला और उसके पुत्र अरशू ने अपने साथियों के साथ घर में घुसकर इरफान अंसारी पर चाकू और छुरी से जानलेवा हमला कर दिया।

चार लोगों पर किया था हमला

आरोपियों ने इरफान अंसारी पर हमला



किया था। अपने भाई को लहलुहान हालत में देख रईस अंसारी बीच-बचाव करने आ गया। आरोपियों ने रईस पर भी जानलेवा हमला कर दिया। पिता रईस पर हमला होता देखा उनका बेटा शावेज अंसारी और पिटू उन्हें बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने शावेज और पिटू पर भी चाकू-छुरी व तलवार से हमला किया था। रईस के पेट के साइड में किडनी के पास गंभीर चोट आई है।

शनिवार देर रात उनका ऑपरेशन किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी भैया काला कुछ दिन पूर्व ही गौतम नगर क्षेत्र से रहने के लिए उमराव कॉलोनी में आया था। वह गौतम नगर को निगरानीशुदा बदमाश है। उसके खिलाफ आधा दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं।

काउंटर पर बैठी युवती को लगाई 5 हजार की चपत

100 रुपए के नोटों के बदले मांगे थे 500 के नोट सेंटर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर स्थित डायमोनैस्टिक सेंटर के काउंटर पर बैठी युवती को शातिर जालसाज ने 5 हजार रुपए की चपत लगा दी। आरोपी ने 100 रुपए के नोटों के बदले 500 रुपए के नोट मांगे थे। बाद में वह युवती को झांसा देकर पांच हजार की चपत लगाकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी सेंटर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, जिसके आधार पर उसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार रुचि कुशवाहा (27) ग्रीनपार्क कालोनी, डीआईजी बंगला स्थित एक डायमोनैस्टिक सेंटर पर काम करती हैं। बीती 8 जनवरी को दोपहर करीब 1 बजे वह काउंटर पर बैठी हुई थी, तभी एक युवक उनके पास पहुंचा।

युवक ने बताया कि उसके पास 100 रुपये के नोटों की



गड्डी है, लेकिन उसे बड़े नोटों की जरूरत है। उसने बोला कि यह रुपये लेकर आप 500 रुपए वाले नोट दे दीजिए। रुचि ने उसकी जरूरत को देखते हुए सौ रुपए वाले नोटों की गड्डी ले ली और काउंटर से पांच सौ रुपये के बीस नोट निकालकर उसे दे दिए।

गड्डी लेने के बाद रुचि ने जब रुपये गिने तो उसके अंदर एक नोट कम निकला। रुचि ने युवक को बताया कि गड्डी में एक नोट कम है तो उसने बोला कि आप दोबारा से गिन लीजिए, नोट पूरे निकलेंगे। हेराफेरी कर गायब किए 5 हजार रुचि कुशवाहा नोटों की गड्डी दोबारा से गिनने लगी तो युवक कहने लगा कि हमने आपको सही नए नोट दिए हैं, जबकि आपने मुझे पुराने नोट थमा दिए। इतना कहते हुए उसने बोला कि आप रहने दीजिए।

मुझे मेरी गड्डी दे दीजिए और

आप अपने नोट वापस ले लीजिए। यह कहते हुए उसने रुचि से गड्डी ले ली और उनके नोट वापस कर दिए। रुचि ने पांच सौ रुपये के नोट गिने तो वह 5 हजार ही निकले। युवक ने हेराफेरी करते हुए पांच हजार रुपये गायब कर दिए थे।

गड्डी लेने के बाद युवक तेजी के साथ वहां से निकल गया। वह काउंटर से निकलकर बाहर आई तो युवक फरार हो चुका था। फुटेज के आधार पर तलाश शुरू घटना की जानकारी रुचि ने सेंटर के संचालक को दी और शनिवार को थाने जाकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई।

इसी फुटेज के आधार पर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेट्रो एंकर सड़क सुरक्षा माह के तहत कई गतिविधियां

पुलिस ने वाहन चालक-परिचालकों का कराया आई टेस्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यातायात पुलिस भोपाल द्वारा सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। रविवार को लालघाटी चौराहा स्थित यातायात चौकी पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की तरफ से नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस ने 254 वाहन चालक और परिचालकों का नेत्र परीक्षण कराया गया। जांच के दौरान 11 चालकों को मोतियाबिंद, 4 को नाखूना की समस्या और 152 चालक को दूर और निकट दृष्टि का दोष पाया गया। डाक्टरों ने चैकअप करवाने वालों को मौके पर ही दवाईयां और चश्मे वितरित किये। इस दौरान पुलिस कर्मचारियों ने भी अपना नेत्र परीक्षण कराया। इधर



एमपी नगर स्थित डीबी मॉल में यातायात जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई और लोगों को सुरक्षा सुरक्षा की जानकारी दी गई। लिंक रोड नंबर एक स्थित गुलाब उद्यान में गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा आमजन को ट्रैफिक नियमों की

जानकारी देते हुए उनका पालन करने की अपील की गई। 240 के खिलाफ चालानी कार्रवाई शहर के विभिन्न चौराहों और तिहाड़ों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों की मदद से ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए एनाउंसमेंट करवाया गया।

कमिश्नर ने की अपराधों की समीक्षा, गुंडे-बदमाशों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

भोपाल। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने गुंडे-बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और लंबित अपराधों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने यह निर्देश गत वर्ष राजधानी के अलग-अलग थानों में दर्ज हुए अपराधों की समीक्षा करने के बाद दिए। समीक्षा बैठक में सभी राजपत्रित अधिकारी, समस्त डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी तथा समस्त थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मिश्र ने कहा कि अपराधों पर नियंत्रण तथा आमजन की सुरक्षा तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी थाना प्रभारी शाम के समय गणना के बाद अपने क्षेत्र पैदल मार्च करें। पुलिस की विजिबिलिटी बढ़ाएं और असामाजिक तत्वों पर नजर रखें, ताकि गुंडे बदमाशों में डर और आमजन में विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में वाहन चोरी, नकबजनी की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं, ऐसे स्थान चिन्हित कर पैदल पैट्रोलिंग, चेंकिंग बढ़ाएं।

इसके साथ चैकिंग के दौरान बगैर हेलमेट 119, बगैर सीटबेल्ट 42, रांग साइड वाहन चलाने पर 3, तेज

रफ्तार वाले 7 तथा अन्य समेत कुल 240 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई।

पिता की हत्या का बदला लेने युवक पर तलावार से जानलेवा हमला

सिर में दो जगह लगी तलवार, निजी अस्पताल में चल रहा इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित एकता नगर में शनिवार रात आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक से मारपीट करते हुए तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। युवक को सिर में दो जगह गहरी चोट है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक



जांच में पता चला कि घायल युवक मुख्य आरोपी के पिता की हत्या के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस के अनुसार अमन सिंह पिता सुरेश सिंह (29) एकता नगर झुग्गी, गौतम नगर में रहता है और प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को सिर में दो जगह गहरी चोट है और शनिवार रात वह घर पर था। इस दौरान ईश्वर नगर शाहपुरा निवासी कृष्णा उर्फ मुनु अपने साथी के साथ उसके घर पहुंचा और उससे मारपीट करते हुए खींचकर घर से बाहर ले आया।